■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 150 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 24-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल से केरल तक लहराएगा भगवा : नितिन नवीन

6 भारत की पारंपरिक चिकित्सा की रोशनी में विश्व-स्वास्थ्य

7 मानसिक शांति के लिए कश्मीरा शाह ने दी ज्यादा पानी पीने की सलाह

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में चार सरकारी अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी, 19 करोड़ रुपए की संपत्ति बरामद

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक लोकायुक्त के कर्मियों ने मंगलवार को उन चार सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की, जिन पर आय के ज्ञात स्रोतों से ज्यादा संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। एक अधिकारी ने यह जानकार दी। अधिकारी ने बताया कि इन अधिकारियों से जुड़े 17 ठिकानों पर सुबह की तलाशी शुरू कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान आरोपी अधिकारियों की 19.2 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता लगाया। लोकायुक्त द्वारा जिन अधिकारियों के परिसरों पर छापे मारे गए, उनमें बागलकोट में एक जिला परिषद के सहायक सचिव और रायचूर की ग्रामीण विकास और पंचायत राज की एक सहायक कार्यकारी अभियंता शामिल थीं। इनमें से एक अधिकारी के पास से 9.89 करोड़ रुपए की संपत्ति बरामद हुई।

अमृतसर में ड्रोन से गिराई गई 12 किलोग्राम हेरोइन बरामद

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के स्वापक-रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर अमृतसर जिले के एक गांव से करीब 12 किलोग्राम हेरोइन की खेप बरामद की है, जिसे ड्रोन विमान के जरिये गिराया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चिन्हित संवेदनशील जगहों पर नियमित गश्त के दौरान डल्लेके गांव के एक कृषि क्षेत्र में ड्रोन की गतिविधियों के बारे में सूचना मिली।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन 135 करोड़ रुपए में बिकी

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने मंगलवार को अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन पीआईए के निजीकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली। एयरलाइन को 135 अरब रुपए में एक स्थानीय निवेश कंपनी के नेतृत्व वाले गठजोड़ को बेचा गया। राजधानी इस्लामाबाद में आयोजित निजीकरण कार्यक्रम में तीन पात्रता-पूर्व बोलीदाताओं- आरिफ हबीब समूह, लकी सीमेंट और निजी एयरलाइन एयरब्लू ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के लिए अपनी-अपनी सीलबंद बोलियां जमा कीं। निर्धारित नियमों के मुताबिक, दो सबसे ऊंची बोलियां लगाने वाली कंपनियों आरिफ हबीब और लकी सीमेंट को खुली नीलामी में प्रतिस्पर्धा का मौका दिया गया।

24-12-2025 सूर्यास्त 6:00 बजे | 25-12-2025 सूर्योदय 6:38 बजे

BSE	NSE
85,524.84	26,177.15
(-42.63)	(+4.75)

सोना	चांदी
14,019 रु.	213,179 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदली फिजां

संन्यासी करते राजनीति,
नेताजी लेंगे अब संन्यास।
अब वो सब होने वाला है,
जो लगता पहले बकवास।
भूल रहे वे तुष्टिकरण को,
जो बनते थे खासमखास।
आज हो रहा है भारत में,
राजनीति का नव विन्यास।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को प्रख्यात खगोल भौतिक विज्ञानी जयंत नार्लीकर को ब्रह्मांड विज्ञान में उनके योगदान तथा विज्ञान को लोकप्रिय बनाने को लेकर मरणोपरांत विजयन रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार पुणे स्थित अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी केंद्र के निदेशक आर श्रीआनंद ने ग्रहण किया। नार्लीकर ने इस केंद्र की स्थापना की थी। मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार भी प्रदान किया। दूसरे राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार में, प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को चार श्रेणियों - विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम में 24 पुरस्कार प्रदान किए गए।

जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि सामुदायिक भागीदारी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है और लोगों को अपने आसपास होने वाली घटनाओं से बेपरवाह नहीं बने रहना चाहिए क्योंकि जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है।

खुफिया ब्यूरो (आईबी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुर्मू ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया ने सूचना और संचार की दुनिया को बदल दिया है तथा इसमें सृजन और विनाश दोनों की क्षमता है।

मुर्मू ने कहा, ''लोगों को गलत सूचनाओं से बचाना एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस कार्य को निरंतर और अत्यंत प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित में तथ्यों पर आधारित जानकारी को लगातार प्रस्तुत करने वाले सक्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाने की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें जागरूक नागरिकों ने सुरक्षा संकटों को टालने में पेशेवर बलों की मदद की है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''लोगों को अपने आसपास घटित होने वाली घटनाओं से बेपरवाह नहीं बने रहना चाहिए। उन्हें अपने परिवेश और उससे परे के क्षेत्रों की सुरक्षा में सचेत और सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है।''

अरावली के एक भी पत्थर का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। अरावली की पहाड़ियों एवं पर्वतमाला की नई परिभाषा को लेकर जारी विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई ने मंगलवार को कहा कि अरावली पर्वतमाला के एक भी पत्थर का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

पार्टी ने कांग्रेस पर जनता में झूठ और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने यहां कहा कि कांग्रेस की आदत है कि तुष्टीकरण की राजनीति करते हुए जनता में झूठ और भ्रम फैलाया जाए, इसी आदत से लाचार कांग्रेस नेताओं ने पहले सीएए कानून को लेकर जनता में भ्रम फैलाया, फिर एसआईआर को लेकर जनता को गुमराह किया और अब अरावली के खनन को लेकर वे जनता को गुमराह कर रहे है।

उन्होंने कहा,''मैं भाजपा की भजनलाल सरकार की ओर से प्रदेशवासियों को यह आश्वस्त करता हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अरावली के एक भी पत्थर का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार और केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है कि अरावली संरक्षित क्षेत्र को परिभाषित किया जाए और अवैध खनन को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाए।

उन्होंने कहा कि इस परिभाषा के आधार जब तक कोई योजना नहीं बन जाती, तब तक किसी प्रकार का खनन पट्टा जारी नहीं किया जाएगा।

बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत : जे पी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धार/इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने देश की आर्थिक प्रगति का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि 11 साल पहले पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने वाला भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने भरोसा जताया कि नरेन्द्र मोदी सरकार की नीतियों के कारण भारत बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री नड्डा ने इंदौर से करीब 65 किलोमीटर दूर धार में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर बनने जा रहे चिकित्सा महाविद्यालय के निर्माण की नींव रखी। उन्होंने इस मौके पर आयोजित समारोह में कहा, ''11 साल पहले भारत की गिनती छुई-मुई जैसी पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में होती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। बहुत जल्द हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा,''अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का कहना है कि दुनिया भर में विकास की गति मंद है, लेकिन भारत बुलंदी के साथ खड़ा है। विश्व बैंक भारत की अर्थनीति को आशा की चमकती किरण बताता है।''

नड्डा ने भूमिपूजन समारोह में कहा कि धार में पीपीपी मॉडल के आधार पर बनने जा रहा चिकित्सा महाविद्यालय देश में इस तरीके से खुलने वाला अपनी तरह का पहला संस्थान होगा जिससे गांव-गांव तक चिकित्सकों की पहुंच सुनिश्चित होगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा

कांग्रेस की विचारधारा के कारण 'हिंदू-मुस्लिम समस्याओं' का सामना कर रहा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

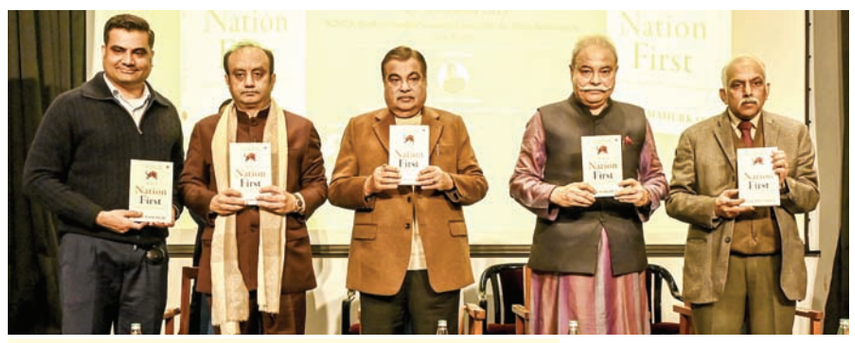

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस के धर्मनिरपेक्षता के विचार और उसकी वोट बैंक की राजनीति के कारण देश अब भी समाज में हिंदू-मुस्लिम समस्याओं का सामना कर रहा है।

गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि अंग्रेजी शब्द सेक्युलर का हिंदी अर्थ सर्व धर्म भाव या 'सभी के लिए न्याय, किसी का भी तुष्टिकरण नहीं' है, न कि धर्मनिरपेक्ष जैसा कि कांग्रेस ने अपनी सोच के आधार पर इसका वर्णन किया है।

पूर्व भाजपा अध्यक्ष गडकरी ने कहा, ''1947 के बाद कांग्रेस को देश पर शासन करने का अवसर मिला। अपनी विचारधारा के आधार पर उन्होंने कुछ बीज बोए... आजादी के बाद विभिन्न प्रकार की हिंदू-मुस्लिम समस्याएं सामने आईं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सेक्युलरवाद और उसके द्वारा दिए गए विवरण ने ही इन समस्याओं को जन्म दिया है, जिनका सामना देश आज भी कर रहा है।

कांग्रेस द्वारा वोट बैंक की राजनीति के तहत अपनाई गई नीतियों ने ही कई समस्याओं को जन्म दिया

गडकरी ने कहा, सेक्युलर शब्द का अर्थ शब्दकोश में देखिए। इसका अर्थ 'धर्मनिरपेक्ष' नहीं है। सेक्युलर का अर्थ है 'सर्व धर्म समभाव'। सभी के साथ न्याय और किसी का तुष्टीकरण न करना ही इसका सच्चा अर्थ है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, दुर्भाग्यवश 1947 के बाद धर्मनिर्पक्षता की परिभाषा के रूप में राजनीति में जो समस्या उत्पन्न हुई वह अब भी हमारे लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा वोट बैंक की राजनीति के तहत अपनाई गई नीतियों ने ही इन समस्याओं को जन्म दिया है।

गडकरी यहां उदय माहुरकर द्वारा लिखित पुस्तक माई आइडिया ऑफ नेशन फर्स्ट: रीडिफाइनिंग अनएलॉयड नेशनलिज्म के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अतीत में हुई गलतियों से सीखने के लिए इतिहास को याद करना आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में वे दोहराई न जाएं।

इतिहास की गलतियों का समय पर सुधार जरूरी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज को आगे बढ़ाने के लिए अतीत के गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा लेना जरूरी बताते हुए मंगलवार को कहा कि इतिहास की गलतियों का समय पर सुधार होना चाहिए, तभी समाज प्रगति करता है। वह मंगलवार को 'कॉल्विन तालुकेदार्स कॉलेज' में आयोजित 134वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित कर रहे थे। आदित्यनाथ ने कोई संदर्भ दिये बगैर कहा कि इतिहास की गलतियों को सुधारना जरूरी है। उन्होंने कहा, ''समाज को आगे बढ़ाने के लिए इतिहास के गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा लेना जरूरी है। इतिहास की गलतियों का समय पर परिमार्जन होना चाहिए, तभी समाज प्रगति करता है। यदि कहीं त्रुटि हुई है तो उसे सुधार करना होगा और अच्छे कार्यों को जीवन की प्रेरणा बनाकर आगे बढ़ना होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने अपनी परंपराओं को पर्व-त्योहारों के माध्यम से संजोकर रखा है।

द्रमुक के 'भ्रष्ट' शासन में तमिलनाडु को काफी नुकसान झेलना पड़ा : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल ने मंगलवार को आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के ''भ्रष्ट'' शासन में तमिलनाडु को बहुत नुकसान झेलना पड़ा है। गोयल ने तमिलनाडु में 2026 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर चेन्नई में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख ईके पलानीस्वामी के साथ शुरुआती चर्चा के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह टिप्पणी की।

भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने पलानीस्वामी के साथ मार्च-अप्रैल 2026 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर आगामी महीनों की योजनाओं पर चर्चा की।

गोयल ने कहा, ''हमने अपने राजनीतिक एजेंडे को साथ मिलकर मजबूत करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राजग परिवार के रूप में 2026 का विधानसभा चुनाव लड़ने के बारे में सार्थक बातचीत की।''

भाजपा नेता ने अगले साल प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ''शानदार जीत'' का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि राजग के सहयोगी दल लोगों की आकांक्षाओं, खास तौर पर विकास की उनकी मांग को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

गोयल ने आरोप लगाया, ''द्रमुक के भ्रष्ट शासन में तमिलनाडु ने बहुत नुकसान झेला है। तमिलनाडु के लोगों को सुशासन, विकासोन्मुखी नेतृत्व और हमारे तमिल भाई-बहनों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने वाली सरकार की जरूरत है, जिसके लिए राजग, प्रधानमंत्री मोदी और हमारे नेता पलानीस्वामी प्रतिबद्ध हैं।''

उनके साथ मौजूद पलानीस्वामी ने कहा कि दोनों दलों ने राजनीतिक स्थिति और ''जनविरोधी द्रमुक सरकार को हराने'' की रणनीति पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि ''शुरुआती बातचीत'' में अन्नाद्रमुक और भाजपा, दोनों ने चुनाव में राजग की भारी जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

पलानीस्वामी ने कहा, ''राज्य के लोग द्रमुक सरकार से नाराज हैं... हमारे गठबंधन के सहयोगी दल मिलकर काम करेंगे और द्रमुक को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे।''

रूस ने यूक्रेन पर 650 से अधिक ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

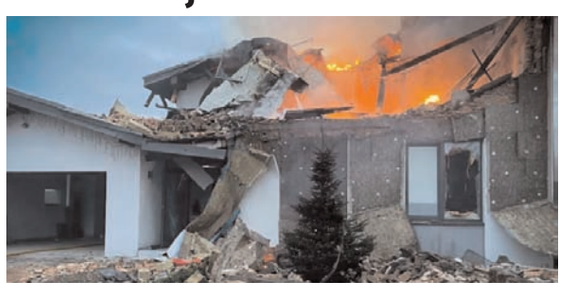

कीव/एपी। रूस ने सोमवार रात यूक्रेन पर 650 से अधिक ड्रोन और तीन दर्जन मिसाइलें दागीं। यह व्यापक हमला रात में शुरू हुआ और मंगलवार को दिन तक जारी रहा। इस हमले में चार वर्षीय बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि बमबारी ने यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया, जिससे भीषण सर्दी में व्यापक स्तर पर बिजली गुल हो गई।

जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर आक्रमण जारी रखने का इरादा जाहिर हो गया है।

यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों का दावा है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं।

जेलेंस्की ने कहा, ''यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है। यह व्यापक हमला क्रिसमस से ठीक पहले किया गया, जब लोग अपने परिवारों के साथ घर पर सुरक्षित रहना चाहते हैं।

ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम में लॉटरी प्रणाली खत्म की

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए 'रैंडम' लॉटरी प्रणाली को समाप्त करने की घोषणा की है, जिसके तहत वीजा लाभार्थियों का चयन किया जाता था। इसकी जगह अब ऐसी प्रक्रिया लागू की जा रही है, जिसमें अधिक कुशल और अधिक वेतन पाने वाले व्यक्तियों को वीजा आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। यह नया नियम ऐसे समय में निर्धारित किया गया है जब ट्रंप प्रशासन एच-1बी वीजा समेत कानूनी व अवैध दोनों तरह के वीजा आवेदनों को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है।

शेफाली के आक्रामक अर्धशतक से भारत ने दूसरे महिला टी20 में श्रीलंका को रौंदा

विशाखापत्तनम/भाषा। स्नेह राणा की अगुवाई में स्पिन गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद शेफाली वर्मा की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ने पांच मैचों की शृंखला के दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में श्रीलंका को 49 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर 2-0 से बढ़त बना ली। श्रीलंका को नौ विकेट पर 128 रन पर रोकने के बाद भारत ने 11.5 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

शेफाली ने 34 गेंद में नाबाद 69 रन की पारी के दौरान 11 चौके और एक छक्का जड़ा। उन्होंने अपनी इस शानदार पारी के दौरान दूसरे विकेट के लिए जेमिमा रोड्रिग्स (15 गेंद में 26 रन) के साथ महज 28 गेंद में 58 रन की साझेदारी की। उन्होंने पहले विकेट के लिए स्मृति मंधाना (11 गेंद में 14 रन) के साथ 20 गेंद में 29 और तीसरे विकेट के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर (12 गेंद में 10 रन) के साथ 24 गेंद में 41 रन की साझेदारी की। इससे पहले स्नेह राणा ने चार ओवर में सिर्फ 11 रन खर्च करते हुए श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू का विकेट चटकाया। उन्हें युवा स्पिनरों वैष्णवी शर्मा और श्री चरनी का अच्छा साथ मिला।

संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण भारत की मातृ मृत्यु दर में काफी गिरावट आई : नड्डा

धार/बैतूल (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि देश में संस्थागत प्रसव दर बढ़कर 89 प्रतिशत हो गई है, जिससे प्रसव के दौरान मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि नागरिक हमेशा स्वस्थ रहें और बीमार ही न पड़ें।

नड्डा ने धार और बैतूल जिलों में मेडिकल कॉलेजों की आधारशिला रखने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''देश में संस्थागत प्रसव की दर बढ़कर 89 प्रतिशत हो गई है, जिससे मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में उल्लेखनीय कमी आई है।'' प्रति एक लाख जीवित बच्चों के जन्म पर होने वाली माताओं की मृत्यु को मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) कहा जाता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से प्रयास कर रही है कि नागरिक हमेशा स्वस्थ रहें और बीमार ही न पड़ें।'' एक अधिकारी ने बताया कि धार और बैतूल में दो मेडिकल कॉलेजों का निर्माण क्रमश: 260 करोड़ रुपए और 300 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से किया जाएगा। नड्डा ने कहा कि आगामी मेडिकल कॉलेज पीपीपी मॉडल पर काम करने वाले देश में अपनी तरह के पहले कॉलेज होंगे और इनसे हर गांव में डॉक्टरों तक पहुंच सुनिश्चित होगी।

इंडिगो ने मंगलवार को भी विभिन्न हवाई अड्डों से 50 उड़ानें रद्द कीं

मुंबई/भाषा। घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को लगभग 50 उड़ानें रद्द कर दीं। यह जानकारी एयरलाइन की वेबसाइट से मिली। इस महीने की शुरुआत में बड़े पैमाने पर परिचालन व्यवधान को लेकर इंडिगो के खिलाफ जांच की जा रही है। मुंबई, दिल्ली, वाराणसी, पुणे, चंडीगढ़, अमृतसर, इंदौर और पटना समेत कई हवाई अड्डों से उड़ानें रद्द की गई हैं। हालांकि, एयरलाइन ने उड़ान रद्द किए जाने का कोई कारण नहीं बताया है।

इंडिगो को उसकी शीतकालीन अनुसूची के तहत शुरू में घरेलू मार्गों पर प्रति सप्ताह 15,014 उड़ानें या प्रति दिन 2,144 उड़ानें संचालित करने की अनुमति दी गई थी, जो कि 2025 की ग्रीष्मकालीन अनुसूची में उसके द्वारा संचालित प्रति सप्ताह 14,158 उड़ानों की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक थी। हालांकि, परिचालन में भारी व्यवधान के कारण हजारों उड़ानें रद्द होने से देश में लाखों हवाई यात्रियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, जिसके बाद सरकार ने उसके शीतकालीन कार्यक्रम में 10 प्रतिशत या प्रतिदिन 214 उड़ानों की कटौती की। परिणामस्वरूप, एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय और कार्गो सेवाओं को छोड़कर, प्रति दिन 1,930 से अधिक उड़ान संचालित नहीं कर सकती है। बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है।

एआई से बनी सामग्री की पहचान अनिवार्य करने से जुड़े नियम जल्द जारी होंगे: आईटी सचिव

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से तैयार सामग्री के अनिवार्य चिह्नांकन से जुड़े प्रस्तावित नियमों पर उद्योग के साथ परामर्श प्रक्रिया पूरी कर ली है और इससे संबंधित नियम जल्द ही जारी किए जाएंगे। यह जानकारी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने दी।

कृष्णन ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उद्योग ने इस मुद्दे पर 'काफी जिम्मेदाराना' रुख अपनाया है और एआई-जनित सामग्री की पहचान (लेबलिंग) अनिवार्य करने से जुड़ी दलीलों को समझता है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को लेकर उद्योग की ओर से कोई गंभीर विरोध सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि उद्योग ने इस पर स्पष्टता की मांग की है कि एआई से किए गए किस स्तर के बदलाव को 'महत्वपूर्ण' या 'सारभूत' संशोधन माना जाए और किन तकनीकी सुधारों को सामान्य गुणवत्ता बढ़ाने वाले बदलावों के रूप में देखा जाए। उन्होंने कहा, हम इन सुझावों के आधार पर सरकार के भीतर अन्य मंत्रालयों से परामर्श कर रहे हैं कि किन बदलावों को स्वीकार किया जाए, कहां संशोधन किया जाए और किन बिंदुओं पर नियमों में सूक्ष्म बदलाव की जरूरत है। यह प्रक्रिया अभी चल रही है और मुझे लगता है कि नए नियम बहुत जल्द सामने आएंगे। उद्योग की प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछे जाने पर कृष्णन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वे इसके खिलाफ हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार न तो कंपनियों से किसी तरह का पंजीकरण कराने को कह रही है, न किसी तीसरे पक्ष की मंजूरी अनिवार्य कर रही है और न ही किसी प्रकार का प्रतिबंध लगा रही है। उन्होंने कहा, उद्योग से केवल यही कहा जा रहा है कि एआई से तैयार सामग्री को चिह्नित किया जाए।

खेती के व्यस्त मौसम में मजदूरों की कमी को दूर करेगा नया कानून : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि हाल ही में पारित 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम खेती के सबसे व्यस्त समय में मजदूरों की कमी की समस्या को दूर करेगा।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट (मनरेगा) की जगह लेने जा रहे 'वीबी-जी राम जी' विधेयक को पिछले हफ़्ते संसद में पारित किया गया था।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, चौहान ने किसान दिवस के मौके पर एक ऑनलाइन संबोधन में कहा कि यह कानून किसानों और मज़दूरों के कल्याण के बीच संतुलन बनाता है। कृषि मंत्री ने कहा, ''यह कानून देश के व्यापक हित में बहुत उपयोगी है, क्योंकि यह खेती करने वाले समुदाय को सशक्त बनाता है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। जहां 'वीबी-जी राम जी' मजदूरों के उत्थान का पूरा ध्यान रखता है, वहीं यह किसानों पर भी ध्यान केंद्रित करता है और सुनिश्चित करता है कि खेती के लिए पर्याप्त मजदूर उपलब्ध हों।''

मंत्री ने बताया कि किसानों को अक्सर फसलों की बुवाई एवं कटाई के मौसम में मजदूरों को ढूंढने में मुश्किल होती है। उन्होंने कहा, ''अब इस नए कानून से यह समस्या हल हो जाएगी और खेती के मौसम में पर्याप्त मजदूर उपलब्ध होंगे। यह नए कानून की एक महत्वपूर्ण विशेषता है जो किसानों को खुश रखेगी।''

नई योजना के तहत मजदूरों को साल में 125 दिन काम मिलेगा जबकि मनरेगा के तहत 100 दिनों का काम मिलता था। हालांकि खेती की व्यस्तता वाले दो महीनों में उनसे कृषि कार्य के लिए उपलब्ध रहने की उम्मीद की जाती है।

चौहान ने कहा कि इस नई जानकारी को कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से देश भर के किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों एवं मजदूरों दोनों की आय बढ़ाना है, और यह नए कानून के माध्यम से हासिल किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एम.एल. जाट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इटारसी आयुध निर्माणी को बम से उड़ाने की धमकी

इटारसी (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के इटारसी स्थित आयुध निर्माणी को ई-मेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, जिसके बाद पुलिस ने परिसर की जांच शुरू कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में स्थित इस आयुध कारखाने में पुलिस द्वारा की गई जांच में अभी तक कुछ सामने नहीं आया है। उन्होंने बताया कि आयुध निर्माणी के आधिकारिक पते पर सोमवार रात एक ई-मेल भेजकर यह धमकी दी गई है।

नर्मदापुरम जिले के पुलिस अधीक्षक सांई कृष्ण एस थोटा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि ई-मेल में आयुध निर्माणी को बम से उड़ाने की धमकी के साथ ही कुछ अन्य आपत्तिजनक चीजें लिखी हैं। थोटा ने कहा कि जिले के प्रमुख पुलिस अधिकारियों की टीम मौके पर है और मामले की जांच कर रही है।

आंकड़ों के अनुमान को खराब मानने की मानसिकता को बदलने की जरूरत : सीईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने मंगलवार को कहा कि आंकड़ों का अनुमान लगाने के सभी तौर-तरीकों की कुछ सीमाएं होती हैं, लेकिन भारत की जीडीपी का अनुमान लगाने की पद्धति को खराब मानने की मानसिकता को बदलने की जरूरत है।

आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों को लेकर कुछ तबकों में जतायी गई चिंताओं के बीच नागेश्वरन ने कहा कि चिंताएं तभी उठाई जाती हैं जब सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े उम्मीद से कहीं अधिक होते हैं, जबकि आंकड़ों के निराशाजनक होने पर तौर-तरीकों पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि भारत के जीडीपी के आंकड़े वास्तविक स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, ये सभी... अधूरी जानकारी वाले या अपूर्ण प्रश्न जानबूझकर लोगों के मन में संदेह पैदा करने के लिए अनुत्तरित छोड़ दिए जाते हैं। इससे कोई खास लाभ नहीं होता क्योंकि ये प्रश्न सावधानीपूर्वक और सटीकता के साथ नहीं उठाए जाते हैं।'' उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा आयोजित सीपीआई, जीडीपी और आईआईपी के आधार संशोधन पर परामर्श कार्यशाला में विभिन्न हितधारकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। नागेश्वरन ने कहा, ''सामान्य तौर पर, हम अनुमान लगाने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं और अनुमान लगाने के सभी तौर-तरीकों की अपनी सीमाएं होती हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि हम अपनी पद्धतियों पर सवाल उठाने के बहुत शौकीन हैं और दूसरों की पद्धतियों पर कम। कहीं न कहीं इसके पीछे यह सोच है कि हमारे तौर-तरीके दूसरों से खराब हैं। यह हमारी मानसिकता को भी दर्शाता है और इसे हमें बदलने की आवश्यकता है।'' सीईए ने सरकार के आंकड़ों के अनुमानों की आलोचना करने वालों को जवाब देते हुए कहा कि आंकड़ों का मूल्यांकन करने, उन्हें सार्वजनिक करने या उनकी आलोचना लिखने के तरीके में सभी को अधिक परिपक्व होने की आवश्यकता है।

चांदी की चमक के आगे फीका पड़ा सोना, इस साल कीमतों में 130% से अधिक का उछाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेश के सुरक्षित विकल्प और चुनिंदा उद्योगों में मांग बढ़ने से इस साल चांदी ने रिटर्न के मामले में परंपरागत निवेश विकल्प सोने और शेयर बाजार को भी पीछे छोड़ दिया है। स्थिति यह हो गई है कि सोने ने जहां करीब 70 प्रतिशत रिटर्न दिया है वहां चांदी 130 प्रतिशत से भी अधिक चढ़ी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में आगे और कटौती की उम्मीदों के बीच चांदी में अगले साल भी 15 से 20 प्रतिशत तक की तेजी बने रहने की उम्मीद है।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, दिल्ली में चांदी की कीमत सोमवार को 10,400 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़कर 2,14,500 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के अबतक के उच्चस्तर पर पहुंच गईं। चांदी की कीमत इस साल एक जनवरी को 90,500 रुपए प्रति किलोग्राम थी। इस तरह चांदी में 1,24,000 रुपए यानी 137 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। चांदी में आई तेजी के बारे में आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लि. के निदेशक (जिंस और मुद्रा) नवीन माथुर ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में चांदी ने अब तक लगभग 130 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दिया है, जबकि इस वर्ष डॉलर के मुकाबले रुपए के पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ एमसीएक्स वायदा कीमतों में रिटर्न अब तक करीब 138 प्रतिशत तक पहुंच गया है।'' उन्होंने कहा, ''इस उछाल का एक कारण यह है कि निवेशकों का एक हिस्सा सरकारी बॉन्ड एवं मुद्राओं के मुकाबले वैकल्पिक निवेश उत्पादों में निवेश कर रहा है, जिससे सफेद धातु में निवेश की मांग बढ़ी है। औद्योगिक मांग बढ़ने और बाजार में लगातार पांचवें साल आपूर्ति में कमी से भी चांदी के भाव में तेजी आई है।''

मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा, ''चांदी की कीमतों में उछाल सट्टेबाजी का नहीं बल्कि संरचनात्मक कारकों का नतीजा है। आपूर्ति में लगातार कमी के साथ औद्योगिक मांग बनी हुई है। कृत्रिम मेधा (एआई), ईवी तथा स्वच्छ ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में बढ़ती मांग कीमत में वृद्धि का प्रमुख कारण है।'' उन्होंने कहा, ''मजबूत औद्योगिक मांग के अलावा, ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में निरंतर निवेश, भौतिक रूप से खरीद अधिक होने और निवेशकों के जिंस में निवेश बढ़ाने से भी कीमतों को समर्थन मिला है। एक और संकेत सोने-चांदी की कीमतों के अनुपात में तीव्र गिरावट है, जो जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति को बताती है।'' सोने और चांदी के अनुपात में तीव्र गिरावट का मतलब है कि चांदी की कीमत सोने की कीमतों से अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। यह संकेत देता है कि सोने के मुकाबले चांदी के मूल्य में वृद्धि हो रही है और यह निवेश का बेहतर अवसर प्रदान करती है।

समय आने पर प्रियंका प्रधानमंत्री बनेंगी, यह अपरिहार्य है : रॉबर्ट वाद्रा

नई दिल्ली/भाषा। कारोबारी रॉबर्ट वाद्रा ने मंगलवार को कहा कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी वाद्रा का राजनीति में उज्ज्वल भविष्य है और एक समय आएगा जब लोग उन्हें शीर्ष पद पर देखना चाहेंगे। वह उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिनके अनुसार, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बांग्लादेश की स्थिति का हवाला देते हुए कहा है कि प्रियंका गांधी अपनी दादी इंदिरा गांधी की तरह मजबूत प्रधानमंत्री साबित होंगी।

मसूद की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर वाद्रा ने कहा, ''मुझे लगता है कि प्रियंका ने भी अपनी दादी (इंदिरा गांधी), अपने पिता (राजीव गांधी), सोनिया जी और अपने भाई (राहुल गांधी) से बहुत कुछ सीखा है। लोग उनकी प्रशंसा करते हैं। लोग देखते हैं कि उनमें क्या है... जब वह बोलती हैं, तो दिल से बोलती हैं। वह उन विषयों पर बोलती हैं जिन्हें वास्तव में सुनने की जरूरत है और वह उन पर बहस करती हैं।'' उन्होंने यह भी कहा, ''मुझे लगता है कि राजनीति में उनका भविष्य उज्ज्वल है और इस देश में जमीनी स्तर पर जो जरूरी है उसे बदलने में भी उनका भविष्य उज्ज्वल है... मुझे लगता है कि यह समय पर होगा, यह अपरिहार्य है।

चुनावों में कांग्रेस की लगातार हार के चलते अक्सर कांग्रेस के एक वर्ग की ओर से प्रियंका गांधी को बड़ी भूमिका देने की मांग उठती रही है।

आईएनएसवी कौंडिन्य 29 दिसंबर को ओमान की यात्रा पर रवाना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पारंपरिक तकनीक का उपयोग करके तैयार किया गया नौसेना का अग्रणी पोत आईएनएसवी कौंडिन्य अपनी पहली विदेश यात्रा ओमान के लिए 29 दिसंबर से शुरू करेगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह जहाज गुजरात के पोरबंदर से मस्कट के लिए रवाना किया जाएगा। यह यात्रा प्रतीकात्मक रूप से उन ऐतिहासिक समुद्री मार्गों को दोहराएगी, जिनके जरिये भारत हजारों वर्षों तक हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़ा रहा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि प्राचीन भारतीय जहाजों के चित्रों से प्रेरित और पूरी तरह पारंपरिक तकनीक से बना गया गया आईएनएसवी कौंडिन्य इतिहास, कारीगरी और आधुनिक नौसैनिक विशेषज्ञता का दुर्लभ संगम है।

इसने कहा कि भारतीय नौसेना का यह अग्रणी पोत भारत की प्राचीन जहाज निर्माण और समुद्री यात्रा परंपराओं को पुनर्जीवित करता है। इसमें कहा गया है कि यह जहाज 29 दिसंबर को अपनी पहली विदेश यात्रा पर रवाना होगा। मंत्रालय ने कहा कि आधुनिक जहाजों के विपरीत, इसके लकड़ी के तख्तों को नारियल के रेशे से बनी रस्सी का इस्तेमाल करके जोड़ा गया है और प्राकृतिक रेजिन से सील किया गया है। उसने कहा कि यह भारत के तटों और हिंद महासागर क्षेत्र में कभी प्रचलित रही जहाज निर्माण परंपरा को दर्शाता है। अधिकारियों ने कहा कि इस तकनीक ने आधुनिक नौवहन और धातु विद्या के आने से बहुत पहले ही भारतीय नाविकों को पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया तक लंबी समुद्री यात्राएं करने में सक्षम बनाया। यह परियोजना स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को फिर से खोजने और पुनर्जीवित करने के भारत के प्रयासों के तहत संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और होडी इनोवेशंस के बीच त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से पूरी की गई।

गेल ने छत्तीसगढ़ में गैस-आधारित उर्वरक परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ सरकार के साथ राज्य में गैस-आधारित उर्वरक परियोजना के विकास की संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस समझौते के तहत गेल मुंबई-नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन गलियारे के पास 12.7 लाख टन प्रति वर्ष की क्षमता वाले यूरिया उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए विस्तृत प्रौद्योगिकी-आर्थिक अध्ययन करेगी।

गेल ने कहा, ''प्रौद्योगिकी-आर्थिक मूल्यांकन के आधार पर गेल उर्वरक परियोजना की स्थापना के लिए निवेश के बारे में निर्णय करेगी।'' मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में राज्य सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग सचिव रजत कुमार और गेल के व्यापार विकास निदेशक राजीव कुमार सिंघल ने इस गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

हिंदुस्तान को बचाने लिए हिंदुओं को तीन-चार बच्चे पैदा करना चाहिए : नवनीत राणा

अमरावती/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता नवनीत राणा ने मंगलवार को कहा कि हिंदुओं को कम से कम तीन. चार बच्चे पैदा करना चाहिए ताकि उन लोगों की साजिशों का मुकाबला किया जा सके जो बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान में बदलना चाहते हैं। पूर्व निर्दलीय सांसद राणा ने पत्रकारों से कहा, मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं। सुनिए, ये लोग खुलेआम कहते हैं कि इनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन-चार बच्चे पैदा करना चाहिए। वह एक सवाल का जवाब दे रही थीं।

राणा ने कहा,''मुझे नहीं पता कि वह मौलाना है या कोई और, लेकिन उसने कहा कि उसके 19 बच्चे और चार पत्नियां हैं, परंतु वह 30 बच्चों की संख्या पूरी नहीं कर पाया। वे बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान में बदलना चाहते हैं, तो हम सिर्फ एक बच्चे से क्यों संतुष्ट हो जाएं? हमें भी तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए।'' उन्होंने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच बृहन्मुंबई महानगर पालिका चुनाव के लिए गठबंधन की संभावनाओं को भाव नहीं दिया।

उन्होंने कहा,''उद्धव ठाकरे बेबसी का पर्याय बन गए हैं। नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के लिए उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को प्रचार के लिए बाहर नहीं निकाला। अगर कोई उद्धव ठाकरे के साथ जुड़ता भी है, तो उसका प्रदर्शन स्थानीय निकाय चुनाव से भी बदतर होगा।''

अब तक 15 लाख से अधिक संशोधित आईटीआर दाखिल: आयकर विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा आकलन वर्ष 2025-26 के लिए अब तक 15 लाख से अधिक करदाताओं ने संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए हैं।

विभाग ने हाल ही में एक अभियान 'नज' शुरू किया है, जिसके तहत उन करदाताओं को ईमेल एवं एसएमएस के जरिये सलाह दी जा रही है जिन्होंने गैर मान्यता-प्राप्त राजनीतिक दलों या कुछ धर्मार्थ संस्थाओं से जुड़ी गलत कटौती का दावा किया है।

आयकर विभाग ने बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष में 21 लाख से अधिक करदाताओं ने अपने आईटीआर संशोधित किए और कुल 2,500 करोड़ रुपए का कर भुगतान किया।

विभाग ने करदाताओं से अपील की है कि वे अपने आईटीआर की समीक्षा करें, कटौती और छूट के दावों की सटीकता को जांचें और जरूरी होने पर 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित रिटर्न दाखिल करें, ताकि आगे की जांच से बचा जा सके। हालांकि, विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई करदाता कानून के अनुरूप सही कटौती या छूट का दावा कर रहा है तो उसे कोई और कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है।

स्विगी पर इस साल बिरयानी के सबसे ज्यादा ऑर्डर, बर्गर, पिज्जा की भी रहीं खूब मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाले मंच स्विगी ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2025 में भारतीयों ने बिरयानी, बर्गर, पिज़्ज़ा और डोसा खूब खाए।

'हाउ इंडिया स्विगीड' रिपोर्ट के 10वें संस्करण में मंच पर उपयोगकर्ताओं द्वारा दिए गए ऑर्डर के आधार पर साल की खाद्य डिलिवरी की खास बातें बताई गई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2025 में 9.3 करोड़ बिरयानी ऑर्डर की गईं, जो इस्तेमालकर्ताओं की पसंदीदा बनी रही, इसके बाद बर्गर के 4.42 करोड़ ऑर्डर, पिज़्ज़ा के 4.01 करोड़ ऑर्डर और डोसा के 2.62 करोड़ ऑर्डर आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय खानों के प्रति प्यार है। पहाड़ी खाने में नौ गुना बढ़ोतरी हुई, जबकि मालाबार, राजस्थानी, मालवणी और अन्य क्षेत्रीय खानों के ऑर्डर में भी पिछले एक साल में लगभग दोगुना बढ़ोतरी हुई।

इसमें बताया गया है कि रात्रि भोजन के ऑर्डर दोपहर के भोजन के ऑर्डर से लगभग 32 प्रतिशत ज़्यादा थे। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वैश्विक खाने भी इसमें शामिल हुए, जिसमें मैक्सिकन (1.6 करोड़ ऑर्डर), तिब्बती (1.2 करोड़ से ज़्यादा ऑर्डर), कोरियन (47 लाख ऑर्डर) उपभोक्ताओं के पसंदीदा बन गए।

विजय हजारे ट्रॉफी : कोहली, रोहित, गिल ने बढ़ाई राष्ट्रीय एकदिवसीय चैंपियनशिप की चमक

बेंगलूरु में मंगलवार को क्रिकेटर विराट कोहली कर्नाटक के बेंगलूरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रैक्टिस सेशन के दौरान। इस अवसर पर क्रिकेटर इशांत शर्मा और अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित कई शीर्ष भारतीय क्रिकेटरों की उपस्थिति से बुधवार से शुरू होने वाले विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट की चमक बढ़ गई है जिसमें इन दिग्गज खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलेगा। विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने वाले स्टार खिलाड़ियों की कतार में ऋषभ पंत, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा जैसे नाम भी शामिल हैं, लेकिन कोहली और रोहित जितनी सुर्खियां किसी और को नहीं मिलतीं।

कोहली और रोहित को इसलिए घरेलू टूर्नामेंट में खेलना पड़ रहा है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी भारतीय क्रिकेटरों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम दो मैच में खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। कोहली 15 साल बाद इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। उनका और रोहित का इस टूर्नामेंट में खेलने का सीधा मतलब है कि यह दोनों खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट में विकसित हो रहे शक्ति समीकरणों से अछूते नहीं हैं। यह दोनों खिलाड़ी अभी क्रिकेट जगत के स्टार हैं लेकिन क्रिकेट परिदृश्य में तेजी से बदलाव हो रहा है जिसका असर इन दोनों पर पड़ना लाजमी है। रोहित ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह मुंबई की तरफ से सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ जयपुर में 24 और 26 दिसंबर को होने वाले पहले दो मैच खेलेंगे। कोहली ने मुंबई में भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ के साथ अभ्यास किया। उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह दिल्ली के लिए कौन से दो या तीन मैच खेलेंगे। दिल्ली एलीट ग्रुप डी में बेंगलूरु में आंध्र के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। यह मैच बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में खेला जाएगा क्योंकि कर्नाटक सरकार ने सुरक्षा कारणों से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैचों के आयोजन को अनुमति नहीं दी। दिल्ली का अगला मुकाबला गुजरात से होगा। कोहली के मंगलवार रात बेंगलूरु पहुंचने के बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह स्टार बल्लेबाज इन दोनों मैच में खेलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में निराशाजनक प्रदर्शन का अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैचों के लिए उनके चयन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन कोहली और रोहित इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उनका दायरा सिकुड़ता जा रहा है। वे जानते हैं कि युवा खिलाड़ी उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं। भारत की टी20 विश्व कप टीम से गिल को बाहर करना और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर ईशान किशन को टीम में शामिल करना, इस बात का गंभीर संकेत है कि अगर कोहली और रोहित सहजता से रन नहीं बना पाते हैं तो उनके साथ क्या हो सकता है।

रोहित और कोहली के अलावा कई अन्य सीनियर खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। इन खिलाड़ियों में पंत भी शामिल है जो टेस्ट क्रिकेट की टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं लेकिन सीमित ओवरों की टीम में जगह बनाने के लिए जूझ रहे हैं। पंत विजय हजारे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचने की कोशिश करेंगे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अगस्त 2024 के बाद से वनडे या टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

गिल आगामी टी20 विश्व कप के लिए नजरअंदाज किए जाने के बाद लय हासिल करने कोशिश करेंगे। दाएं हाथ का यह बल्लेबाज पंजाब के लिए खेलते हुए अपनी निराशा को दूर करने का प्रयास करेगा। गिल के लिए यह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले एक अच्छा अभ्यास होगा, जिसमें वह भारत की कप्तानी करेंगे। इस टूर्नामेंट में चयनकर्ताओं की निगाह तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर भी टिकी रहेगी। कुछ साल पहले मोहम्मद सिराज के रणजी ट्रॉफी में अच्छे प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के बाद से कोई भी अन्य तेज गेंदबाज ऐसा करने में सफल नहीं रहा है। भारतीय टीम में शामिल तेज गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और आकाश दीप के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। इस संदर्भ में गुरजपनीत सिंह (तमिलनाडु), गुरनूर बरार (पंजाब), युद्धवीर सिंह (जम्मू कश्मीर), अनुज ठकराल (हरियाणा) और साकिब हुसैन (बिहार) आदि खिलाड़ियों में चयनकर्ताओं की विशेष रुचि होगी। मैच सुबह नौ बजे शुरू होंगे।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में आज होने वाले मैच के आयोजन को नहीं मिली मंजूरी

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा कि शहर के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 24 दिसंबर को विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने फिलहाल दर्शकों के बिना मैच आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने स्टेडियम में क्रिकेट मैचों के आयोजन की अनुमति देने पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया था। समिति ने सोमवार को स्टेडियम का दौरा किया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिताबी जीत का चार जून को जश्न मनाए जाने के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से इस स्टेडियम में मैचों के आयोजन पर रोक लगा दी गई थी। सीमंत कुमार सिंह ने पत्रकारों से कहा, ''समिति ने कल स्टेडियम का दौरा किया था और उसकी सिफारिश पर मैच खेलने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया गया। इसलिए कल वहां कोई मैच नहीं होगा।'' राज्य के गृह मंत्री ने सोमवार को विधान सौध में केएससीए के पदाधिकारियों, राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ स्टेडियम में क्रिकेट मैच आयोजित करने के संबंध में बैठक की थी। उन्होंने समिति को स्टेडियम का दौरा करने और क्रिकेट मैचों के आयोजन के लिए अनुमति देने के संबंध में सिफारिश देने के लिए कहा था।

मुंबई से बेंगलूरु तक 1.20 करोड़ रुपये की कोकीन ले जाने के आरोप में एक विदेशी नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु।एक विदेशी महिला को 1.20 करोड़ रुपये मूल्य की 121 ग्राम कोकीन कथित तौर पर ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। महिला एक निजी बस में मुंबई से बेंगलूरु तक यात्रा कर रही थी। उसने कोकीन को ब्रेड के कवर में छिपाया हुआ था। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित सामान के साथ-साथ अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन भी उसके पास से जब्त किया गया।

हालांकि, पुलिस ने आरोपी महिला की पहचान का खुलासा नहीं किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वर्थुर पुलिस थाने की सीमा के भीतर रहने वाली एक विदेशी महिला द्वारा कुछ ज्ञात व्यक्तियों को कोकीन की आपूर्ति करने की सूचना मिलने पर सीसीबी स्वापक नियंत्रण दस्ते ने हाल ही में छापा मारा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, महिला 2024 में छात्र वीजा पर दिल्ली आई थी और उसने दावा किया था कि वह विश्वविद्यालय में पढ़ाई करेगी। हालांकि, किसी भी कॉलेज में दाखिला लिए बिना, वह मुंबई के घाटकोपर, अंबावाड़ी और नालासोपारा जैसे इलाकों में रही। पुलिस ने बताया कि उसने कथित तौर पर मुंबई में एक दोस्त से कोकीन खरीदी और उसके निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थानों पर मादक पदार्थ की आपूर्ति की। इस तरह वह मादक पदार्थ के धंधे से अवैध रूप से पैसा कमा रही थी।

अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह अक्सर निजी बसों से मुंबई से बेंगलूरु की यात्रा करती थी और पकड़े जाने से बचने के लिए ब्रेड और इसी तरह के उत्पादों के आवरण में कोकीन छिपाकर रखती थी। वर्थुर पुलिस थाने में स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

एक अन्य घटना में, पुलिस ने बेंगलूरु में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री के आरोप में दूसरे राज्य के दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। उनकी गिरफ्तारी के साथ, पुलिस ने 247 ग्राम हाइड्रो गांजा और 19 ग्राम एमडीएमए जब्त करने का दावा किया, जिनकी कुल कीमत 26.90 लाख रुपये है।

जलाहल्ली पुलिस थाने के कर्मचारियों को 21 दिसंबर को सूचना मिली कि कुछ व्यक्तियों के पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ हैं और वे पुलिस थाने की सीमा के भीतर कलिंगराव सर्कल के पास ग्राहकों को बेच रहे हैं, जिसके बाद गिरफ्तारियां की गईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने कथित तौर पर कबूल किया कि अधिक पैसा कमाने के इरादे से उन्होंने एक अज्ञात व्यक्ति से हाइड्रो गांजा और एमडीएमए कम कीमत पर खरीदा और ग्राहकों को अधिक कीमत पर बेच दिया।

खरीददारी

मंगलवार को बेलगावी के कैंप एरिया में क्रिसमस की शॉपिंग करते हुए।

विवाह समारोहों में चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार, 32 लाख रुपये मूल्य के आभूषण बरामद

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में फर्जी रिश्तेदार बनकर विवाह समारोहों में शामिल होने और वहां से सोने के गहने तथा नकदी चोरी करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार करने के बाद 32 लाख रुपये मूल्य के 262 ग्राम सोने के आभूषण जब्त करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, मंजुनाथ नगर निवासी ने एक शिकायत दी थी जिसमें उन्होंने कहा था 23 नवंबर की सुबह वह अपनी मां के साथ बसवनगुडी स्थित एक बारातघर में एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गई थीं।

उन्होंने बारातघर के एक कमरे में एक बैग रखा था, जिसमें 32 ग्राम की सोने की एक चेन और एक सजावटी 'कॉलर' चेन रखी थी। पुलिस ने बताया कि समारोह के बाद घर लौटने पर जब उन्होंने बैग देखा तो उसमें से करीब तीन लाख रुपये की सोने की चेन के अलावा सजावटी चेन भी चोरी हो चुकी थी। शिकायत के आधार पर बसवनगुडी थाने में चोरी का एक मामला दर्ज किया गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पुलिस ने विभिन्न कोणों से मामले में जांच की और मुखबिरों से प्राप्त विश्वसनीय जानकारी के आधार पर एक दिसंबर को एक महिला को उदयनगर, के. आर. पुरम स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया। पुलिस हिरासत में विस्तृत पूछताछ के दौरान, आरोपी ने खुलासा किया कि इस मामले के अलावा, बसवनगुडी थाने में दर्ज दो अन्य मामलों में भी उसी ने चोरी की थी, साथ ही अन्य जिलों में बारातघरों में सोने के आभूषणों की चोरी भी की थी।

अधिकारी के अनुसार, उसने कहा कि चोरी हुए सोने के आभूषण उसके घर पर रखे हुए थे और उसने अपने पति के साथ मिलकर बैंक में गहने गिरवी रखकर सोने पर ऋण लिया था।

जेल डीजीपी आलोक कुमार ने मंगलुरु जेल में सुरक्षा और सुधारों की समीक्षा की

मंगलुरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) (जेल) आलोक कुमार ने मंगलुरु जिला जेल का मंगलवार को निरीक्षण किया। उनका यह निरीक्षण राज्यव्यापी जेल सुरक्षा और सुधार उपायों की समीक्षा के तहत था। कुमार ने पत्रकारों से कहा कि कर्नाटक की सभी जेलों का चरणबद्ध तरीके से निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्र में स्थित मंगलुरु जेल को विशेष सुरक्षा प्राथमिकता दी गई है। अनुशासनहीन और अशांति फैलाने वाले कैदियों की पहचान कर उन्हें अन्य जिलों की जेलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। डीजीपी ने कहा कि जेल के अंदर मोबाइल फोन पहुंचाने के मामले में विस्तृत जांच की जाएगी और उन्होंने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

उन्होंने मोबाइल फोन जैमर के बारे में शिकायतों का भी जिक्र किया और कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग करके प्रणाली को अद्यतन करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। कुमार ने कहा कि बेंगलूरु और मैसुरु की जेलों में प्रायोगिक आधार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी कैमरे लगाए गए हैं और मंगलुरु जेल में इस प्रणाली का विस्तार करने के बारे में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

बुनियादी ढांचे के संबंध में उन्होंने कहा कि मुदिपु में प्रस्तावित जेल का निर्माण कार्य अभी लंबित है। उन्होंने कहा कि वह गृह मंत्री के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे।

वर्ष 2025-26 सीजन का पहला क्रूज जहाज नव मंगलूरु पत्तन पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु। लग्जरी क्रूज जहाज एमएस सेवन सीज नैविगेटर के आगमन के साथ नव मंगलूरु पत्तन का 2025-26 क्रूज सीजन शुरू हो गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नव मंगलूरु पत्तन प्राधिकरण (एनएमपीए) के अधिकारियों ने बताया कि बहामास ध्वज वाला यह क्रूज जहाज 22 दिसंबर को सुबह 6:15 बजे इस पत्तन पर पहुंचा और इसे 7:15 बजे तक बर्थ संख्या-चार पर खड़ा किया गया। उन्होंने बताया कि 172.50 मीटर लंबा और 28,803 टन वजनी यह जहाज मोरमुगाओ बंदरगाह से आया है जिसमें 450 अंतरराष्ट्रीय यात्री और चालक दल के 360 सदस्य सवार हैं। एनएमपीए ने यात्रियों का परंपरागत ढंग से जोरदार स्वागत किया। उन्होंने बताया कि सीमा शुल्क विभाग, आव्रजन, पर्यटन एजेंसियों और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर पत्तन प्राधिकरण ने इन यात्रियों के लिए जबरदस्त व्यवस्थाएं की हैं जिससे कि उन्हें यादगार अनुभव मिल सके। मंगलूरु की सीमा शुल्क आयुक्त विनिता शेखर ने पत्तन के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर इस जहाज के यात्रियों का स्वागत किया। पत्तन पर आयुष मंत्रालय द्वारा ध्यान केंद्र, एनएमपीए द्वारा वाई-फाई कनेक्टिविटी और पर्यटन मंत्रालय द्वारा यक्षगान कला शैली का एक सेल्फी स्टैंड सहित कई यात्री अनुकूल सुविधाएं दी गई हैं। यहां ठहराव के दौरान पर्यटकों ने मंगलूरु के आसपास के स्थानों का भ्रमण किया जिसमें करकला स्थित गोमातेश्वर, मूडबिदरी में हजार खंभा मंदिर, सोन्स फार्म, कारीगर ग्राम, गोकर्णनाथ मंदिर, सेंट एलॉयसियस चैपल, स्थानीय बाजार और ट्रिनिटी हाउस शामिल हैं।

आमतौर पर एक क्रूज वर्ष में कोविड-19 महामारी से पूर्व दो दर्जन से अधिक क्रूज जहाज एनएमपीए में बर्थ का उपयोग किया करते थे, लेकिन कोरोना काल के बाद यह संख्या घटकर 8-10 रह गई है। एनएमपीए के अधिकारियों के मुताबिक, वर्ष 2024-25 में कुल सात क्रूज जहाज आए थे और 2025-26 के लिए तय कार्यक्रम के मुताबिक, इस पत्तन को अभी तक पहले ही छह क्रूज परिचालकों से अनुरोध प्राप्त हो चुके हैं।

चार सरकारी अधिकारियों के खिलाफ छापेमारी

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त के कर्मियों ने मंगलवार को चार सरकारी अधिकारियों के खिलाफ एक साथ छापेमारी की, जिन पर अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से ज्यादा संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इन अधिकारियों से जुड़े कई ठिकानों पर सुबह-सुबह छापेमारी शुरू हुई। जिन अधिकारियों के परिसरों पर छापे मारे गए, उनमें बागलकोट जिला पंचायत के सहायक सचिव श्यामसुंदर कांबले, विजयपुरा, बागेवाड़ी के सहायक कृषि निदेशक मलप्पा, करवार के सिद्दपुरा कोला सिरसी ग्रुप ग्राम सेवा सहकारी संघ नियामिता के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मारुति यशवंत मालवी और विजयलक्ष्मी शामिल हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना प्रकाशन सं: COMML/MYS/12/2025 दिनांक: 15.12.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित हॉल्ट एजेंट का नियुक्ती के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
कार्य का नाम: मैसूरु विभाग पर मैसूरु और हासन विभाग के बीच अन्नेचाकनहल्ली हॉल्ट स्टेशन पर पांच साल की अवधि के लिए हॉल्ट एजेंट का नियुक्ती के लिए निविदा आमंत्रित है।
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 27.01.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक मैसूरु
PUB/765/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

बेंगलूरु से गोवा तक वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू करने की मांग, कुमारस्वामी ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बेंगलूरु और गोवा के बीच हाईस्पीड रेल कनेक्टिविटी की मांग की और केंद्रीय रेल मंत्री को एक पत्र लिखा है। उन्होंने हसन, मंगलुरु जंक्शन, उडुपी और कारवार होते हुए बेंगलूरु से मडगांव (गोवा) तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। कुमारस्वामी ने पत्र में कहा कि घाट सेक्शन में विद्युतीकरण का काम सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है, जिसके बाद यह मार्ग अब वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह ट्रेन पर्यटन, तीर्थयात्रा, शिक्षा और नौकरी संबंधी यात्रा करने वाले लाखों लोगों की सुविधा बढ़ाएगी। इससे भारत की आईटी राजधानी बेंगलूरु और तटीय कर्नाटक तथा गोवा के प्रमुख व्यापारिक, बंदरगाह तथा पर्यटन केंद्रों के बीच संबंध और मजबूत होंगे। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस रूट पर बेहतर रेल कनेक्टिविटी से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और अंतर-राज्यीय संपर्क और मजबूत होगा। यह प्रस्ताव केंद्र सरकार के एकीकृत, कुशल और आधुनिक रेल नेटवर्क बनाने के विजन से पूरी तरह मेल खाता है।

कुमारस्वामी ने रेल मंत्री से विनम्र अनुरोध किया है कि वे इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करें और दक्षिण पश्चिम रेलवे के अधिकारियों को इसकी व्यवहार्यता जांचने तथा जरूरी कदम उठाने के निर्देश दें। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस अनुरोध पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई होगी, जिससे बढ़ती यात्री मांग पूरी हो सकेगी। कर्नाटक और गोवा के तटीय क्षेत्रों के लोग लंबे समय से इस मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रेन की मांग कर रहे हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत से यात्रा का समय काफी कम होगा और दोनों राज्यों के बीच आवागमन आसान बनेगा। यह कदम क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध कराएगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
रोजगार सूचना संख्या: CMP/02/GAZ/2025 दिनांक: 17.12.2025
मैसूरु विभाग में कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर स्पेशलिस्ट कॉन्ट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स और कॉन्ट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स (जीडीएमओ) के रूप में डॉक्टरों की भर्ती के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए अधिसूचना।
काम का विवरण: दक्षिण पश्चिम रेलवे, मैसूरु डिवीजन में, 03 स्पेशलिस्ट कॉन्ट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स (01 यूआर, 01 एससी, 01 ईडब्ल्यूएस) को एक साल की अवधि के लिए या नियमित कर्मचारियों की भर्ती होने तक, जो भी पहले हो, कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर पूर्ण अवधि मेडिकल प्रैक्टिशनर के रूप में नियुक्त करने के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है।
आवश्यक विशेषज्ञताएं: स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग सर्जन, जनरल सर्जन, बाल रोग विशेषज्ञ, ईएनटी सर्जन। यदि कोई उपयुक्त स्पेशलिस्ट उम्मीदवार नियुक्ति के लिए नहीं मिलता है, या यदि कोई स्पेशलिस्ट उम्मीदवार वॉक-इन-इंटरव्यू में शामिल नहीं होता है, तो खाली पदों को कॉन्ट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स (जीडीएमओ) को नियुक्त करके भरा जाएगा।
इंटरव्यू का स्थान: वरिष्ठ विभागीय कार्मिक अधिकारी का कार्यालय, डीआरएम कार्यालय भवन इरविन रोड, मैसूरु - 570 001
इंटरव्यू की तारीख: 05-01-2026 (सोमवार) समय: 11:00 बजे से 17:00 बजे तक।
अधिसूचना की पूरी जानकारी के लिए, उम्मीदवार वेबसाइट पर लॉग इन कर सकते हैं: www.swr.indianrailways.gov.in (About us. Divisions-Mysuru-Personnel Branch-Notification/Selections)
PUB/760/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय कार्मिक अधिकारी/समन्वय/मैसूरु
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

विकसित भारत - जी राम जी योजना करेगी देश के गांवों का कायाकल्प : शिवराज सिंह चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो रहा है। उनके नेतृत्व में हमारी सरकार कृषि को लाभकारी बनाने के लिए कार्य कर रही है। हमारी मंशा है कि किसानों का फसल उत्पादन बढ़े तथा उनकी लागत में कमी आए। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत बनाने के संकल्प में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, जिससे विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार किया जा सके।

चौहान मंगलवार को राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेड़ता में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गत दो वर्षों में राजस्थान में विकास का नया अध्याय रचा गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राज्य के किसानों को दी जाने वाली राशि में बढ़ोतरी कर 9 हजार रुपये किया है। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत भी राजस्थान के किसानों को लाभान्वित किया गया है। अब किसानों को अगर क्लेम देने में बीमा कंपनियां देर करेंगी तो ब्याज का भुगतान भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा राजस्थान के किसानों के लिए मूंग 3 लाख 5 हजार 750 मीट्रिक टन, मूंगफली 5 लाख 54 हजार 750 मीट्रिक टन तथा सोयाबीन की 2 लाख 65 हजार 750 मीट्रिक टन की रिकॉर्ड स्तर पर खरीद को मंजूरी दी गई है।

चौहान ने कहा कि विकसित भारत – जी राम जी योजना एक बेहतरीन योजना है, जो देश के गांवों का कायाकल्प करेगी। इससे मजदूर एवं किसानों का कल्याण होगा। योजना के तहत अब मजदूरों को 100 दिन के बजाय 125 दिन का रोजगार मिलेगा। योजना का अब प्रस्तावित बजट 1 लाख 51 हजार 282 करोड़ रुपये हो गया है, जिससे गांव विकसित, गरीबीमुक्त एवं रोजगारयुक्त बनेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार शीघ्र ही सीड एक्ट एवं पेस्टीसाइड एक्ट लाने वाली है जिससे नकली पेस्टीसाइड एवं महंगे बीज देने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है तथा शीघ्र ही वंचित गरीबों को मकान देने का काम प्रारंभ कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान हमारे राष्ट्र के असली निर्माता हैं। जब पूरा देश सोता है तब अन्नदाता अपने खेतों में जागते हैं। चिलचिलाती धूप हो या कड़कड़ाती ठंड, बारिश हो या आंधी तूफान, किसानों का काम कभी नहीं रुकता। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान रहे हैं इसलिए वे खेती में आ रही समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। हमारी सरकार किसानों को आगे बढ़ाने एवं उनके सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह एवं अटल बिहारी वाजपेयी ने किसानों के सम्मान एवं सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य किए हैं। स्व. वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क जैसी योजना से देश में लाखों किलोमीटर सड़कों का निर्माण कर गांवों को सड़कों से जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य कर रही है। पानी की प्राथमिकता को समझते हुए हमने रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, गंगनहर की मरम्मत जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। साथ ही, कुसुम-ए एवं कुसुम-सी में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के साथ धोखा हुआ तथा पेपरलीक जैसे प्रकरण हुए। हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। अब तक 92 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी हैं, शीघ्र ही 20 हजार नियुक्तियां दी जाएंगी तथा 1 लाख 53 हजार नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। हमारी सरकार युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देगी। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। हम चाहते हैं कि युवा रोजगार प्रदाता भी बने तथा हम शीघ्र ही युवा पॉलिसी भी लाने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश-प्रदेश में हमारा किसान आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा किसान हितैषी निर्णयों से उनका सशक्तीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार गरीब, युवा, किसान और महिला समेत प्रदेश के हर वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने नागौर जिले में विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग 2 हजार 900 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की है तथा 2 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि के विकास कार्य भी करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में लखपति दीदी, वृद्धजन पेंशन योजना जैसी अनेक योजनाओं से जिले को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है तथा इसमें किसी भी तरह की छेड़खानी नहीं होने दी जाएगी।

मारवाड़ महोत्सव सांस्कृतिक एकता और लोक परंपरा का अद्वितीय संगम : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को ओडिशा के संबलपुर में मारवाड़ महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की धरती ओडिशा अध्यात्म, धर्म, संस्कृति, संस्कार, साहित्य और देश की आजादी के लिए लड़ने वालों की भूमि है। उन्होंने कहा कि शौर्य और वीरता की धरती राजस्थान से यहां आए मारवाड़ी समाज का अपनी मातृभूमि से गहरा जुड़ाव है। बिरला ने कहा कि मारवाड़ी समाज ओडिशा की धरती पर अपने कर्म और श्रम से अमूल्य योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान और ओडिशा का गहरा संबंध भी है। दोनों की आध्यात्मिक आस्था, संस्कृति और विचारों में समानता है। मारवाड़ी समाज ने कड़ी मेहनत से यहां के लोगों को भी अपना बनाया है। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में मारवाड़ी समाज त्याग, सेवा और समर्पण से अपनी पहचान बना रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि मारवाड़ी समाज जन्मस्थली से जुड़कर कर्मस्थली पर सामाजिक दायित्वों को निभाते हैं। आपदा और संकट की घड़ी में मारवाड़ी समाज सदैव सहयोग के लिए आगे रहता है। इन्होंने शिक्षा के लिए विद्यालय खोले, चिकित्सालय और धर्मशालाएं भी बनाई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जन्मस्थली से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है। इसी कड़ी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया। उन्होंने आह्वान किया कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में सभी अपना सकारात्मक सहयोग दें।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान और ओडिशा तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। एक भारत और श्रेष्ठ भारत के लिए राजस्थान और ओडिशा में निवेश के अवसर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मारवाड़ महोत्सव के आयोजन से हमारी सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश-दुनिया में मारवाड़ी अपनी संस्कृति को संरक्षित कर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार कर रहे हैं। मारवाड़ी समाज शिक्षा, चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में सामाजिक सरोकार के कार्य कर सभी जगह मेहनत व ईमानदारी से राजस्थान की मिट्टी की खुशबू को फैला रहे हैं।

सरकार की योजनाओं की शत-प्रतिशत क्रियान्विति करते हुए आमजन तक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव की विशिष्ठ उपस्थिति एवं जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कोटपूतली-बहरोड़ जिला कलेक्टर सभागार में मंगलवार को जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान विधायक कोटपुतली हंसराज पटेल, विधायक बहरोड़ डॉ. जसवंत यादव, विधायक विराटनगर कुलदीप धनखड़, विधायक बानसूर देवीसिंह शेखावत, विधायक मुंडावर ललित यादव, जिला प्रमुख अलवर बलबीर छिल्कर, आईजी जयपुर आर. सुहास, जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी एवं जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई सहित समस्त विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना, स्वच्छ भारत मिशन, टीबी मुक्त भारत अभियान सहित अन्य योजनाओं की धरातल पर शत-प्रतिशत क्रियान्विति सुनिश्चित करते हुए पात्रों को लाभान्वित करें। उन्होंने एनएचएआई के संबंध में समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु अलग से बैठक आयोजित कर सिक्स लेन हाईवे के ओरिजिनल प्लान अनुसार मीडियन गैप व्यवस्थित कर सुचारू करने सहित अन्य सुरक्षात्मक उपायों एवं सुगम यातायात के कार्य को प्राथमिकता से लेने को कहा। साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता के कार्य को प्राथमिकता से लेते हुए शहर में सीवरेज प्लान को बेहतर करने एवं पूरे शहर को कवर कर एसटीपी के कार्य में गति लाने के निर्देश नगर परिषद को दिए।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अधिकारी पूर्ण सजगता व गंभीरता के साथ कार्य करते हुए विकास कार्यों एवं योजनाओं की गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

इसके साथ ही बैठक में केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने पेयजल, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं पीएम कुसुम योजना, सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की एवं आमजन को चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिले के जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों के आमजन से जुडे विषयों से अवगत कराने व दिए गए सुझावों पर कार्यवाही कर आगामी बैठक में एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए। जनप्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराए गए विषयों व सुझावों में सड़क व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, जन शिकायतें, पुलिस, साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर कराने के सुझाव दिए साथ ही जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करने, इससे क्षतिग्रस्त सडकों को दुरूस्त करने, जेजेएम योजना से वंचित गांवों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था कराने एवं अपने क्षेत्र की आधारभूत समस्याओं के बारे में अवगत कराया।

स्वदेशी से ही आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि जब भारतीयों का स्वाभिमान बढ़ेगा, तब स्वदेशी भावना स्वतः सशक्त होगी। स्वदेशी से ही आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि वीरों, भामाशाहों और स्वाभिमान की भूमि मेवाड़ से स्वदेशी महोत्सव के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का संदेश जाना अत्यंत प्रेरक पहल है। राज्यपाल ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान करते हुए उपस्थित जनसमूह को स्वदेशी का संकल्प भी दिलाया।

मेवाड़ की शौर्यभूमि चित्तौड़गढ़ में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का भव्य शुभारंभ स्वदेशी चेतना, सांस्कृतिक गौरव और आत्मनिर्भर भारत के संदेश के साथ हुआ। सुभाष चौक से इंदिरा गांधी स्टेडियम तक निकली रंग-बिरंगी भव्य शोभायात्रा ने पूरे शहर को स्वदेशी के रंग में रंग दिया, वहीं उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल बागड़े ने कहा कि हम स्वदेशी के माध्यम से विदेशी वस्तुओं के गुणवत्तापूर्ण, सस्ते और टिकाऊ विकल्प प्रस्तुत कर विदेशी कंपनियों के वर्चस्व को समाप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए हमें अपने गौरवशाली इतिहास को स्मरण रखना होगा। रावलपिंडी और तक्षशिला हमारे ही इतिहास की गौरवशाली विरासत हैं तथा रावलपिंडी का नाम चित्तौड़गढ़ के महानायक बप्पा रावल के नाम पर है। बागड़े ने कहा कि भारत आज विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। एक समय था जब देश को गेहूं आयात करना पड़ता था, लेकिन आज 140 करोड़ जनता का पेट भरने के बाद भी हम अनाज का निर्यात कर पा रहे हैं, यह स्वदेशी की ताकत का प्रमाण है। भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भी स्वदेशी अवधारणा का ही परिणाम है। 1905 में प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन के 120 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी हमारा पूर्ण स्वदेशी न बन पाना हम सभी के लिए चिंतन का विषय है। आजादी से पूर्व भारतवासियों द्वारा कपास से बने कपड़ों का उपयोग किया कर स्वदेशी का उद्घोष किया था।

राज्यपाल बागड़े ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की ओजस्वी कविता की पंक्तियों से किया, जिनमें चित्तौड़गढ़ के जौहर, त्याग और अमर बलिदान का स्मरण है। अटल जी की पंक्तियों – अकबर के पुत्र से पूछो, क्या याद है तुम्हें मीना बाजार, क्या तुम्हें याद है चित्तौड़गढ़ में जलने वाली आग प्रखर,जब सहस्त्र माताएं तिल-तिल कर जलकर हो गईं अमर'' का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह आग बुझने वाली नहीं है बल्कि वह आज भी चित्तौड़ की मिट्टी, उसकी रग-रग और जन-जन के संस्कारों में समाई हुई है।

स्वागत उद्बोधन में स्थानीय सांसद चन्द्र प्रकाश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी के प्रति समर्पण और प्रेरणा का मूर्त रूप ही चित्तौड़गढ़ में आयोजित यह स्वदेशी महोत्सव है।

अरावली मुद्दे को लेकर 19 जिलों में आंदोलन करेगी कांग्रेस : डोटासरा

जयपुर। अरावली की पहाड़ियों व पर्वतमाला की परिभाषा में कथित बदलाव किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने राजस्थान के 19 जिलों में आंदोलन करने की घोषणा की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि खनन के नाम पर अरावली की लगभग 90 प्रतिशत जमीन को बर्बाद करने की तैयारी की जा रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मुद्दे को लेकर यहां संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। दोनों नेताओं ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर अरावली में प्रस्तावित खनन की सीमा के बारे में जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। डोटासरा ने आरोप लगाया कि अरावली रेंज में खनन की अनुमति देने के लिए कई कंपनियों से पैसे लिए गए हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा के शासनकाल में अधिकारियों और खनन माफिया के बीच बड़ा गठजोड़ और साझेदारी है। सरकार संगठित गिरोह की तरह देश की खनिज संपदा को लूट रही है। अरावली का मुद्दा इसी साजिश का हिस्सा है।

जयपुर में बोरे में मिला महिला का शव

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के शास्त्री नगर इलाके में मंगलवार सुबह एक महिला का शव प्लास्टिक के बोरे में मिला। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में संदेह के आधार पर एक युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार शव सुभाष कॉलोनी में परशुराम पार्क के पास तीन मंजिला एक घर में मिला। प्लास्टिक का बोरा बरामदे में पड़ा हुआ था और शुरू में घर की मालकिन को लगा कि यह किराएदारों का सामान है। पुलिस के अतिरिक्त उपायुक्त (उत्तर) बजरंग सिंह ने बताया, जब बोरा खोला गया, तो उसमें से बदबू आई और अंदर महिला की लाश मिली। उसके चेहरे पर चोट के निशान थे। उन्होंने बताया कि यह घर ठेकेदार सूरज प्रकाश सांवरिया का है जिनकी मौत हो चुकी है। उनकी पत्नी मुन्नी देवी भूतल पर रहती हैं जबकि ऊपर की मंजिलों पर दो किराएदार रहते हैं। पुलिस ने बताया कि लाश को कंबल में लपेटकर दो प्लास्टिक के बोरों में पैक किया गया था जिससे बदबू फैलने से रुक गई।

सीसीआई की उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा 24 आज से

जयपुर। उपभोक्ता अधिकारों के लेकर जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से देशव्यापी उपभोक्ता भारत यात्रा निकाली जाएगी जो 24 दिसंबर से शुरू होकर 15 मार्च तक चलेगी। इस यात्रा का आयोजन 'कंज्यूमर कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया' (सीसीआई) द्वारा किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, यह अभियान सभी 28 राज्यों और नौ केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा। इसक तहत सड़क मार्ग से 17,000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा की जाएगी और 145 शहरों तक पहुंचा जाएगा। यात्रा को नई दिल्ली में भारत मंडपम से हरी झंडी दिखाई जाएगी। एक बयान के अनुसार, सीसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनंत शर्मा की अगुवाई वाली इस यात्रा का उद्देश्य उपभोक्ता संरक्षण कानूनों, सही वजन और माप सहित अन्य उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरुकता फैलाना है। यह यात्रा दिल्ली, जयपुर, मुंबई, बेंगलुरु, कोच्चि, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, चंडीगढ़, श्रीनगर, लेह और अन्य प्रमुख शहरों से गुजरेगी जिसके तहत सभी राज्यों की राजधानियों और प्रमुख स्थानों को कवर किया जाएगा। इस दौरान रैलियां, कार्यशालाएं और जागरूकता कार्यक्रम होंगे। राजस्थान में प्रमुख कार्यक्रम 26 दिसंबर को जयपुर और 27 दिसंबर को कोटा में होंगे।

राजस्थान के कई इलाकों में कोहरा छाया रहा

जयपुर। राजस्थान के अनेक जिलों में मंगलवार की सुबह कोहरा छाया रहा, हालांकि बीते चौबीस घंटे में अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, चित्तौड़गढ़ में सोमवार रात न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस, पिलानी (झुंझुनू) और अलवर में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री और टोंक के वनस्थली में न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, जैसलमेर, हनुमानगढ़, बीकानेर और आसपास के इलाकों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे सुबह के समय दृश्यता काफी कम हो गई और आवाजाही प्रभावित हुई। मौसम विभाग ने कहा कि इस हफ्ते पूरे राज्य में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि 24 दिसंबर को भी कुछ जगहों पर खासकर सुबह के समय घना कोहरा छा सकता है। विभाग के अनुसार, अभी बारिश का कोई अनुमान नहीं है लेकिन कोहरे के कारण कम दृश्यता से कुछ इलाकों में सुबह की आवाजाही प्रभावित हो सकती है।

निजी स्कूल में बारहवीं कक्षा के एक छात्र ने आत्महत्या की

जयपुर।राजस्थान के नागौर जिले में 12वीं कक्षा के एक छात्र ने सोमवार को कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार इंदौकली का रहने वाला रवींद्र एक निजी विद्यालय में पढ़ता था और उसी के छात्रावास में रहता था। उसने सोमवार को कथित तौर पर फांसी लगा ली। मुंडवा के वृत्ताधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि रवींद्र के शव के पास से एक कथित 'सुसाइड नोट' मिला है। छात्र के परिजनों ने आरोप लगाया है कि स्कूल वाले उन्होंने बिना सूचना दिए बच्चे का शव अस्पताल ले गए। उनका आरोप है कि रवीन्द्र के शव के पास मिले 'सुसाइड नोट' की लिखावट अलग है। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की और पुलिस ने निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंप आर्थिक सहायता देने की मांग की।

बजरी माफिया से कथित सांठगांठ और लापरवाही के आरोप में पांच थानाधिकारी निलंबित

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने बजरी माफिया से कथित साठगांठ और लापरवाही के आरोप में पांच थानाधिकारियों को निलंबित कर दिया है और छह को लाइन हाजिर किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार अतिरिक्त महानिदेशक (सतर्कता) एस सेंगाथिर के निर्देशन में राज्य भर में चलाए गए 'डिकॉय ऑपरेशन' के बाद कर्तव्य निर्वहन में गंभीर लापरवाही और अवैध बजरी खनन में संलिप्तता पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है। सेंगाथिर ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर गठित 11 विशेष टीम ने 18 और 19 दिसंबर को विभिन्न जिलों में 'डिकॉय ऑपरेशन' चलाया चलाया तथा टीम के सदस्यों ने आम नागरिक बनकर थानों की कार्यप्रणाली, नाकाबंदी और गश्त व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस दौरान सामने आया कि कई थानों में न केवल बजरी के अवैध परिवहन को नजरअंदाज किया जा रहा था, बल्कि ड्यूटी के प्रति भी भारी लापरवाही बरती जा रही थी। जांच में दोषी पाए जाने पर पुलिस मुख्यालय ने जयपुर दक्षिण जिले के शिवदासपुरा, टोंक के पीपलू एवं बरौनी, अजमेर के पीसांगन और धौलपुर के कोतवाली थाना अधिकारियों को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही भीलवाड़ा के थाना गुलाबपुरा, कोटा शहर के कुन्हाड़ी एवं नान्ता, दौसा के लालसोट, चित्तौड़गढ़ के गंगरार और जोधपुर पश्चिम के लूणी थाना अधिकारियों को लाइन हाजिर किया गया है। इन सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

ग्राम पंचायत ने बहुओं, लड़कियों के कैमरे वाले मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई

जोधपुर। राजस्थान में जालोर जिले की एक ग्राम पंचायत ने 26 जनवरी से 15 गांवों की बहुओं और लड़कियों के कैमरा वाले मोबाइल फोन के इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगा दी है। इसके अलावा, सार्वजनिक समारोहों या पड़ोसी के घर मोबाइल फोन ले जाना भी प्रतिबंधित होगा। उन्हें केवल कीपैड वाले फोन का उपयोग करने की अनुमति होगी। यह निर्णय जालोर जिले के गाजीपुर गांव में रविवार को चौधरी समुदाय की एक बैठक के दौरान लिया गया, जिसकी अध्यक्षता 14 पट्टियों (उप-मंडलों) के अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने की। चौधरी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पंच हिम्मतराम ने इस फैसले की घोषणा की। हिम्मतराम के अनुसार, पंच सदस्यों और समुदाय के सदस्यों के बीच चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि बहुएं और लड़कियां केवल कीपैड वाले फोन का उपयोग करेंगी।

भाजपा चरण सिंह के आदर्शों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को चौधरी चरण सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने अपना पूरा जीवन गांवों, गरीबों, वंचितों और किसानों के कल्याण तथा समृद्धि के लिए समर्पित कर दिया।

योगी किसान दिवस के रूप में मनाई जाने वाली चरण सिंह की जयंती पर किसान नेता को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की ''डबल इंजन सरकार'' किसानों का कल्याण सुनिश्चित करने और भारत रत्न से सम्मानित किसान नेता के आदर्शों को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

योगी ने सिंह की 123वीं जयंती पर किसानों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उनका परिश्रम नमन करने योग्य है। उन्होंने किसान समृद्धि योजना के तहत ट्रैक्टर पाने वाले किसानों के चेहरे की ''चमक'' का भी जिक्र किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने विधान भवन प्रांगण स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और 'किसान सम्मान दिवस' पर किसानों को ट्रैक्टर की

चाबी दी। साथ ही किसानों, वैज्ञानिकों, एफपीओ आदि को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह सीड पार्क अटारी लखनऊ की प्लॉट आवंटन प्रक्रिया की बटन दबाकर शुरुआत की। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपनी मेहनत से किसानों ने प्रगति की है और 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब पहली बार किसान भी सरकार के एजेंडे का हिस्सा बने। उन्होंने कहा, ''अन्नदाता किसानों को प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना से जोड़ा गया, फिर एक-एक करके प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से लेकर पीएम किसान सम्मान निधि, एमएसपी की गारंटी हो या बीज से लेकर बाजार तक किसानों की सुविधाओं को बढ़ाया गया।'' योगी ने सिंह को स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों के मसीहा, पूर्व प्रधानमंत्री व उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह को 'भारत रत्न' देकर किसानों का मान बढ़ाया और लघु व सीमांत किसानों के लिए कृषि ऋण मोचन कार्यक्रम लागू किया। मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह के वक्तव्य का जिक्र किया और कहा, ''वह हमेशा देश, गांव व किसान के हित में काम करते थे। वह कहते थे कि जब तक किसान गरीब रहेगा, भारत अमीर नहीं हो सकता। ग्रामीण भारत ही असली भारत है।'' इस अवसर पर कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, धर्मपाल सिंह, डॉ. संजय निषाद, अनिल कुमार, दिनेश सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, बलदेव सिंह औलख, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता समेत भाजपा व रालोद के कई विधायक भी मौजूद रहे।

हिंदुओं पर कथित हिंसा के विरोध में बांग्लादेश उप उच्चायोग की ओर मार्च निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर कथित हमले के विरोध में एक हिंदूवादी संगठन के सैकड़ों समर्थकों ने मंगलवार को यहां बांग्लादेश के उप उच्चायोग की ओर मार्च करने की कोशिश की और जब पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका तो उनकी पुलिस के साथ झड़प हो गई।

कोलकाता के बेकबागन में स्थित बांग्लादेश उप उच्चायोग कार्यालय के करीब पहुंचने की कोशिश में प्रदर्शनकारियों ने कई बैरिकेड तोड़ दिए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस के मुताबिक, कम से कम 12 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। झड़प में कई प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''बांग्लादेश उप उच्चायोग के सामने स्थिति नियंत्रण में है। वहां अवैध रूप से इकट्ठा होने की कोशिश करने वालों को हटा दिया गया है। अब तक इलाके में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों को एहतियात के तौर पर गिरफ्तार किया गया है।'' विदेशी राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और परिसर के घेराव के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए उप उच्चायोग कार्यालय के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। 'हिंदू हुंकार पदयात्रा' शीर्षक से विरोध मार्च का आयोजन 'बोंगियो हिंदू जागरण' के बैनर तले किया गया। बांग्लादेश में अल्प संख्यक हिंदुओं पर कथित हिंसा के खिलाफ नारे लगाते और भगवा झंडे थामे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने मार्च में हिस्सा लिया।

झारखंड सरकार ने बैंक ऑफ इंडिया के साथ किया समझौता

रांची/भाषा। झारखंड सरकार ने बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के साथ अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन पैकेज को लेकर एक समझौते पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में वित्त विभाग और बैंक के बीच इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के अनुसार, बैंक ऑफ इंडिया में खाता खोलने वाले सरकारी कर्मचारियों को दो करोड़ रुपए तक का दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, बच्चों के लिए शैक्षणिक लाभ सहित कई सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस मौके पर कहा, '' बैंक ऑफ इंडिया ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की जीवन सुरक्षा पर केंद्रित एक पैकेज तैयार कर बेहद संवेदनशील पहल की है। कर्मचारी चाहे स्थायी हों या संविदा पर, हर कोई चाहता है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी वह अपना जीवन आराम एवं शांति से बिता सके।''

सिक्किम में तीस्ता नदी में नाव पलटने से सेना के जवान की मौत

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के पाकयोंग जिले में प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान तीस्ता नदी में नाव पलटने से सेना के एक जवान की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार को सैनिकों के वार्षिक राफ्टिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान यह दुर्घटना हुई। एक नौका नदी में एक क्षतिग्रस्त पुल से टकराकर पलट गई और जवान पानी में बह गया। लोहे का पुल 2023 की बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया था और नदी में गिर गया था। उन्होंने बताया कि सेना ने तीस्ता बचाव केंद्र की एक टीम के साथ मिलकर तुरंत अभियान शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि शव पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग जिले के तार खोला में नदी के निचले हिस्से से बरामद किया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक की पहचान 191 आर्टिलरी रेजिमेंट के लांस नायक राजशेखर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि राफ्टिंग प्रशिक्षण बरदांग और रंगपो माइनिंग के बीच जारी था।

परिवार के सदस्यों, कांग्रेस नेताओं को भरोसा नहीं, इसलिए घबराए हुए हैं राहुल गांधी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में दिए गए बयानों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने विदेशी धरती पर भारत के खिलाफ बयानबाजी की और देश को बदनाम किया क्योंकि वह इस बात से परेशान हैं कि पार्टी के उनके साथी और यहां तक कि परिवार के सदस्यों को भी उनपर कोई विश्वास नहीं है।

भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि गांधी जनता का विश्वास खो चुके हैं और यह जगजाहिर है कि उनके नेतृत्व में 95 प्रतिशत चुनावों में पार्टी को हार मिली है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी लंबे समय से आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करने वाले संविधान को खत्म करने के प्रयास कर रही है और विपक्ष भाजपा को सत्ता से हटाकर रहेगा। गांधी ने पिछले सप्ताह बर्लिन में हर्टी स्कूल में अपने संबोधन में भाजपा पर देश के संस्थानों पर पूर्ण रूप से हमला करने और उनपर कब्जा करने का आरोप लगाया था। भाजपा अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए संस्थानों पर कब्जा करने पर तुली हुई है जबकि विपक्ष इसके खिलाफ संघर्ष कर रहा है। कांग्रेस की ओर से सोमवार को जारी एक घंटे के वीडियो में गांधी ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा और जटिल लोकतंत्र एक वैश्विक संपत्ति है, और भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली पर हुआ हमला वैश्विक लोकतांत्रिक प्रणाली पर भी हमला है। गांधी के आरोपों के जवाब में शहजाद पूनावाला ने कहा, जनता को राहुल गांधी पर भरोसा नहीं है। 'इंडिया' गठबंधन के उनके साथी दल, उनकी अपनी पार्टी के नेता और यहां तक कि उनके परिवार के सदस्य भी उनके खिलाफ लगातार अविश्वास व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, इसी कारण उन्होंने एक बार फिर अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए, भाजपा और भारत के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त करने के लिए विदेश यात्रा की।

भाजपा राज में किसानों को उपज का लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के शासन में किसानों की बदहाली चरम पर पहुंच रही है और हालात ये हैं कि उन्हें अब अपनी उपज का लागत मूल्य तक नहीं मिल पा रहा है। यादव ने यहां एक बयान में भाजपा सरकार पर किसानों से वादाखिलाफी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी वजह से कृषकों की हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है और महंगाई की मार तथा कर्ज के दबाव में वह आत्महत्या करने को मजबूर हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा सरकार ने किसानों को राहत देने के नाम पर हर हाल में परेशानी ही दी है। किसानों को जब खाद, बीज चाहिए तब इन चीजों का भारी संकट है। यूरिया और खाद के लिए किसान मारा-मारा फिर रहा है। उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। सर्दी में यूरिया के लिए घंटों लाइन में लगे किसानों को सिर्फ मायूसी हाथ लग रही है।''

यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियों से महंगाई बढ़ती जा रही है। किसान को अब लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। बिजली महंगी है। कीटनाशक बीज उपलब्ध नहीं है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। प्रदेश में धान की खरीद भी नहीं हो रही है। किसान की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदी जा रही है। खरीद केन्द्रों के जिम्मेदार लोग किसानों की मदद के बजाए उन्हें दलालों के पास भेज रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''अब जनता का सब्र टूटता जा रहा है। किसान 2027 के विधानसभा चुनाव का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। वह भाजपा सरकार को सत्ता से हटाकर ही मानेगा, तभी किसान और जवान खुशहाल होगा।''

असम के कार्बी आंगलोंग में फिर भड़की हिंसा, आठ लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीफू/गुवाहाटी/भाषा। असम के अशांत कार्बी आंगलोंग जिले में मंगलवार को एक बार फिर हिंसा भड़क उठी, जब प्रदर्शनकारियों के दो गुट आपस में भिड़ गए और पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज के साथ-साथ आंसू गैस के गोलों का सहारा लेना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि ताजा हिंसा में कम से कम आठ लोगों के घायल होने की खबर है।

अधिकारियों के मुताबिक, निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद खेरोनी बाजार इलाके में बच्चों और महिलाओं समेत बड़ी संख्या में वे लोग हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरे, जिनकी दुकानें भीड़ ने सोमवार को जला दी थीं। उन्होंने बताया कि आदिवासी क्षेत्र से अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने की मांग करने वाले आंदोलनकारी भी खेरोनी बाजार इलाके की सड़कों पर एकत्र हुए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों गुटों में भारी आक्रोश था और इलाके में तैनात सुरक्षा बल उन्हें शांत करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अचानक दोनों गुटों के लोगों ने एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कई प्रदर्शनकारी, पुलिसकर्मी और मीडिया कर्मी घायल हो गए।

अधिकारी के अनुसार, हालात बेकाबू होने पर पुलिस को दोनों गुटों के प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागने पड़े। उन्होंने बताया कि इलाके में स्थिति तनावपूर्ण है और मौके पर अतिरिक्त बलों को भेजा गया है। अधिकारी ने बताया कि इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने खेरोनी इलाके में दो मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया था।

बंगाल से केरल तक लहराएगा भगवा : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बिहार पहुंचे नितिन नवीन ने मंगलवार को कहा कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल से लेकर केरल तक भगवा लहराने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार देश की राजनीति की धुरी है और यहां के जनादेश का असर पूरे भारत की राजनीति पर पड़ता है।

मिलर हाई स्कूल मैदान में आयोजित भव्य अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि बिहार सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला केंद्र है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा संगठन को और मजबूत करने के लिए पार्टी एक लाख नए युवा नेतृत्वकर्ताओं को आगे लाने की योजना पर काम कर रही है।

नवीन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद के नेता तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना उन पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ नेता देश में रहते हुए संविधान पर सवाल उठाते हैं और विदेश जाकर भारत की छवि को ठेस पहुंचाते हैं। उन्होंने दोनों नेताओं को 'अंशकालिक राजनेता' करार देते हुए कहा कि राजनीति में सफलता के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध होना जरूरी है। नवीन ने कहा कि अंशकालिक राजनीति से न तो संगठन मजबूत होता है और न ही जनता का भरोसा बनता है। राजनीति में कोई 'शॉर्टकट' नहीं होता और भाजपा ही वह पार्टी है जो एक साधारण कार्यकर्ता को शीर्ष तक पहुंचाने की क्षमता रखती है। नवीन ने बिहार में भाजपा की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को दिया। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा, यह जीत केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यहां से बंगाल और तमिलनाडु तक जाएगी। हर जगह भगवा लहराएगा।

ओडिशा के मलकानगिरि में 22 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

मलकानगिरि/भाषा। ओडिशा के मलकानगिरि जिले में मंगलवार को 22 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

ओडिशा के पुलिस महानिदेशक वाई बी खुरानिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने नौ आग्नेयास्त्र, 150 कारतूस, 20 किलोग्राम विस्फोटक, 13 आईईडी, जिलेटिन छड़ें और अन्य सामग्री अधिकारियों को सौंप दी। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले अधिकतर माओवादी पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से हैं लेकिन ओडिशा में सक्रिय थे।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में सुकमा जिले के संभागीय समिति सदस्य (डीसीएम) लिंगे उर्फ मायरे मड़कम (45) और छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के एसीएम (क्षेत्रीय समिति सदस्य) कमांडर बामन मड़कम (27) शामिल हैं। ओडिशा सरकार ने 27 नवंबर को माओवादियों के आत्मसमर्पण के लिए निर्धारित इनाम राशि में संशोधन किया था।

असम के हिंसा प्रभावित जिलों में इंटरनेट सेवा निलंबित

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार ने राज्य के हिंसा प्रभावित कार्बी आंगलोंग और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में इंटरनेट सेवाएं मंगलवार को अस्थायी रूप से निलंबित कर दीं। अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने बेदखली के मुद्दे पर दोनों जिलों में नए सिरे से हिंसा भड़कने के मद्देनजर यह कदम उठाया। कार्बी आंगलोंग में मंगलवार को प्रदर्शनकारियों के दो गुट आपस में भिड़ गए और पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलों का सहारा लेना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि ताजा हिंसा में कम से कम आठ लोगों के घायल होने की खबर है। राज्य के गृह एवं राजनीतिक विभाग ने एक आधिकारिक आदेश में कहा कि सार्वजनिक शांति एवं स्थिरता बनाए रखने तथा हालात को और बदतर होने से रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। आदेश के मुताबिक, इंटरनेट सेवाओं का निलंबन अगली सूचना तक लागू रहेगा।

प्रवासियों की संख्या 10% और बढ़ी तो बांग्लादेश का हिस्सा बन जाएगा असम : हिमंत विश्व शर्मा

चाबुआ/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि यदि पूर्वोत्तर राज्य असम में रहने वाले पड़ोसी देश के लोगों की संख्या में 10 प्रतिशत की और वृद्धि होती है तो असम ''स्वयं ही'' बांग्लादेश का हिस्सा बन जाएगा। यहां एक आधिकारिक कार्यक्रम के बाद शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि वह पिछले पांच वर्षों से इस मुद्दे को उठा रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश के एक नेता द्वारा पूर्वोत्तर का पड़ोसी देश में विलय करने के बारे में की गई कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''असम में 40 प्रतिशत आबादी बांग्लादेशी मूल की है। अगर यह संख्या 10 प्रतिशत और बढ़ जाती है तो हम स्वतः ही इसमें शामिल हो जाएंगे।'' शर्मा ने कहा, ''इसीलिए मैं पिछले पांच वर्षों से इस मुद्दे को उठा रहा हूं।'' इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश की नवगठित 'नेशनल सिटिजन पार्टी' (एनसीपी) के नेता हसनत अब्दुल्ला ने कथित तौर पर कहा था कि ढाका को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को ''अलग-थलग'' कर देना चाहिए और यदि नई दिल्ली उनके देश को अस्थिर करने का प्रयास करती है तो क्षेत्र में अलगाववादी तत्वों को समर्थन देना चाहिए।

अरावली को फिर से परिभाषित करने को लेकर इतनी आमादा क्यों है मोदी सरकार : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अरावली के मुद्दे को लेकर मंगलवार को मोदी सरकार पर फिर निशाना साधा और सवाल किया कि वह इस पर्वतमाला को पुनः परिभाषित करने को लेकर इतनी आमादा क्यों है? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस मामले पर पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के 'स्पष्टीकरण' ने और भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

भूपेन्द्र यादव ने सोमवार को कांग्रेस पर अरावली की नई परिभाषा के मुद्दे पर 'गलत सूचना' और 'झूठ' फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि पर्वत शृंखला के केवल 0.19 प्रतिशत हिस्से में ही कानूनी रूप से खनन किया जा सकता है। यादव ने यहां प्रेसवार्ता में कहा था कि नरेन्द्र मोदी सरकार अरावली की सुरक्षा और पुनर्स्थापन के लिए 'पूरी तरह से प्रतिबद्ध' है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अरावली मुद्दे पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा हाल में दिया गया स्पष्टीकरण और भी अधिक सवाल और शंकाएं खड़ी करता है। मंत्री का कहना है कि अरावली के कुल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में से केवल 0.19 प्रतिशत क्षेत्र

ही वर्तमान में खनन पट्टों के अंतर्गत है। लेकिन यह भी लगभग 68,000 एकड़ भूमि बनती है, जो अपने आप में बहुत बड़ा क्षेत्र है।'' उन्होंने दावा किया कि 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर का यह आंकड़ा भी भ्रामक है। रमेश का कहना है, ''इसमें चार राज्यों के 34 जिलों का पूरा भौगोलिक क्षेत्र शामिल कर लिया गया है, जिन्हें मंत्रालय ने अरावली जिले माना है। यह गलत आधार है।'' कांग्रेस नेता के मुताबिक, सही आधार तो उन जिलों के भीतर वास्तविक अरावली पर्वत शृंखला के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र होना चाहिए। रमेश ने कहा कि यदि वास्तविक अरावली क्षेत्र को आधार बनाया जाए, तो 0.19 प्रतिशत का आंकड़ा बहुत कम आकलन साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा, ''जिन 34 जिलों में से 15 जिलों के आंकड़े सत्यापित किए जा सकते हैं, उनमें अरावली क्षेत्र कुल भूमि का लगभग 33 प्रतिशत है। इस बारे में बिल्कुल भी स्पष्टता नहीं है कि नई परिभाषा के तहत इन अरावली क्षेत्रों में से कितना हिस्सा संरक्षण से बाहर कर दिया जाएगा और खनन व अन्य विकास कार्यों के लिए खोल दिया जाएगा।'' रमेश का कहना है, ''यदि मंत्री के सुझाव के अनुसार स्थानीय स्थितियों को आधार बनाया जाता है, तो 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली कई पहाड़ियां भी संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगी।'' उन्होंने कहा कि संशोधित परिभाषा के कारण दिल्ली-एनसीआर में अरावली की अधिकांश पहाड़ी पट्टियां रियल एस्टेट विकास के लिए खोल दी जाएंगी, जिससे पर्यावरणीय दबाव और अधिक बढ़ेगा।

नीरज चोपड़ा ने मोदी से मुलाकात की, खेलों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात की।

इस साल की शुरुआत में एक निजी समारोह में पूर्व टेनिस खिलाड़ी मोर से परिणय सूत्र में बंधने वाले चोपड़ा इस समय किसी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज सुबह 7 लोक कल्याण मार्ग पर नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात हुई। खेल समेत कई मुद्दों पर हमारी अच्छी बातचीत हुई।''

चोपड़ा के लिए यह साल मिला-जुला रहा। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में पहली बार 90 मीटर भाला फेंककर यह जादुई आंकड़ा पार किया, लेकिन फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझने के कारण वह सितंबर में विश्व चैम्पियनशिप में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाए और आठवें स्थान पर

रहे। उन्होंने बेंगलूरु में अपने नाम पर स्थापित भाला फेंक प्रतियोगिता की मेजबानी भी की और उसमें जीत हासिल की।

इस स्टार खिलाड़ी ने सत्र की शुरुआत में चेक गणराज्य के दिग्गज जान जेलेजनी को अपना नया कोच नियुक्त किया था। जेलेजनी के नाम पर तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक और भाला फेंक में 98.48 मीटर का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।

सुविचार

नकारात्मक विचारों का आना तय है लेकिन यह आप पर निर्भर करता हैं, की आप उन्हें महत्व देते हैं या फिर अपने सकारात्मक विचारों पर ही ध्यान लगाए रहते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इस घातक प्रवृत्ति से बचें

केरल में पलक्कड़ जिले के वालयार के पास किझाकेट्टुप्पल्लम में भीड़ द्वारा छत्तीसगढ़ के एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला चिंताजनक है। किसी व्यक्ति पर अपराधी होने का संदेह है तो उसके बारे में पुलिस को सूचना देनी चाहिए। अगर भीड़ के हाथों मार-कुटाई से इन्साफ होने लगेगा तो अदालतों और कानून की क्या जरूरत है? उक्त व्यक्ति के बारे में कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। किसी को संदेह था कि वह चोरी में शामिल था, तो किसी ने उसे बांग्लादेशी समझ लिया था। चूंकि इन दिनों बांग्लादेश में भारतविरोधी माहौल है, इसलिए यहां लोगों में नाराजगी होना स्वाभाविक है। इसका यह मतलब नहीं कि भारत में लोग कानून को हाथ में लेकर हिंसा पर उतर आएं। फिर बांग्लादेशियों और हममें अंतर ही क्या रहेगा? भारत में बहुत लोग दीपूचंद्र दास की मॉब लिंचिंग से आहत हैं। इस संबंध में कई जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बांग्लादेशियों को भारत से बाहर निकालने की मांग की जा रही है। हर राष्ट्रवादी नागरिक चाहेगा कि देश में वही विदेशी नागरिक रहे, जिसके पास सरकार की अनुमति हो। हमारे देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जनता इसके लिए उचित मंचों से आवाज उठा सकती है। कौन बांग्लादेशी है और कौन नहीं है – यह तय करना उसका काम नहीं है। सबको इस सीमारेखा का ध्यान रखना चाहिए। याद करें, कुछ साल पहले भारत में भीड़ द्वारा पीटे या मार गिराए जाने की कई घटनाएं सुनने को मिली थीं। सोशल मीडिया पर खुराफाती तत्त्वों ने अफवाहों को हवा दी थी, जिसके बाद भीड़ ने 'अतिसक्रियता' दिखाते हुए निर्दोष लोगों की पिटाई कर दी थी। वह सिलसिला दोबारा शुरू नहीं होना चाहिए।

साल 2018 में असम के कार्बी आंगलोंग में सोशल मीडिया पर अफवाह फैली थी कि बच्चों का अपहरण करने वाला एक गिरोह घूम रहा है। कुछ ग्रामीणों ने उस पर विश्वास करते हुए दो युवकों को इतना पीटा कि उनकी मौत हो गई। बाद में पता चला कि दोनों युवक पर्यटक थे। उसी साल महाराष्ट्र के धुले ज़िले में ऐसी ही अफवाह फैली, जिसका भयानक नतीजा निकला था। भीड़ ने पीट-पीटकर पांच लोगों की जान ले ली थी। घटना के बाद पता चला कि वे आम लोग थे। साल 2017 और 2018 में झारखंड में गाय चोरी, बच्चा चोरी से संबंधित कई पोस्ट वायरल हुई थीं, जिन पर विश्वास कर भीड़ ने अलग-अलग जिलों में निर्दोष लोगों को पीटा था। महाराष्ट्र के पालघर में दो साधुओं और उनके वाहन चालक को भीड़ ने बच्चा चोरी के संदेह में पीट-पीटकर मार डाला था। वे तीनों ही किसी अपराध में शामिल नहीं थे। सोशल मीडिया के प्रचार-प्रसार से पहले, साल 2007 में राजस्थान के झुंझुनूं जिले में एक साधु की हत्या का मामला सुर्खियों में रहा था। साधु को प्यास लगी तो एक घर से पानी मांगा, लेकिन लोगों ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी थी। अब सोशल मीडिया के कारण ऐसी घटनाओं के वीडियो वायरल हो जाते हैं। इससे ज्यादा लोगों को पता चल जाता है। मॉब लिंचिंग की घटनाएं पहले भी होती थीं, लेकिन तब खबरों का दायरा सीमित था। सवाल है- सामान्य लोगों की भीड़ अचानक हिंसक व्यवहार क्यों करने लगती है? इसकी कोई एक वजह नहीं हो सकती। प्राय: जिन देशों में लोगों को कानून और व्यवस्था पर कम भरोसा होता है, जहां इन्साफ मिलना मुश्किल होता है, अफवाहें तेजी से फैलती हैं, असुरक्षा की भावना ज्यादा होती है, वहां भीड़ उकसावे में आकर हिंसक व्यवहार करती है। विकसित देशों में ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। लोगों को इस घातक प्रवृत्ति से बचना चाहिए। इससे किसी निर्दोष व्यक्ति की जान जा सकती है। अगर कोई अपराधी भी भीड़ के हत्थे चढ़ जाए तो सही तरीका यही है कि उसे पुलिस के हवाले किया जाए। उसे सजा देना अदालत का काम है। यह जिम्मेदारी अदालत पर छोड़ दें तो सबके लिए बेहतर होगा।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान में भाजपा की संवेदनशील एवं विकासोन्मुख सरकार के दो वर्ष की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने हेतु विद्याधर नगर विधानसभा के नांगल मंडल में विकास रथ के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जनसंपर्क किया गया।

-दिया कुमारी

जनसरोकार के 2 सफल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज नागौर के मेड़ता सिटी में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन एवं जनसभा में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

-भजनलाल शर्मा

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और उसकी समृद्धि किसान के अथक परिश्रम से ही आकार पाती है। किसानों के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव मानने वाले, हरित क्रांति के प्रणेता एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर उन्हें नमन।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

गुहार

मेरे घर के सामने एक परिवार रहता है। परिवार क्या हैसब्जी मंडी में सुबह की भीड़-सा वातावरण रहता हैदोपहर को। क़रीब आठ सदस्यों का यह परिवार निम्नस्तर का जीवनयापन करता है। परिवार का मुखिया एक क्लर्क है, गुजारा बमुश्किल ही चल पाता है। घर पर बड़ी लड़की एक मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाती है। 1000-1100 रुपये माहवार पाती है। अर्थ यह है कि परिवार की मालकिन सुबह दूध वाले को फुलपावर से एक बोतल दूध के लिए आवाज़ लगा सकती है। कई रोज से एक भिखारी बाबा गली से गुजरते हुए उस मकान के सामने ठहरकर गुहार लगाता है 'भगवान के नाम पे, कोई फटा पुराना कम्बल दे दे' 'कई दिनों से भूखा हूं, एक कटोरी चावल दे दे।' घर का किशोर उससे चिढ़ा हुआ है। जब भी वह बाबा गुहार शुरू करता है, वह छज्जे में आकर उसे चिढ़ाता है। आज भी वह बाबा उस मकान के सामने गुहार लगा रहा है 'बहुत भूखा हूं। एक कटोरी चावल दे दे' मकान के बाहर खड़ा किशोर स्वयं में बुदबुदाया उसका पिता बीमार है, मां को काम नहीं मिला आज, बड़ा भाई सुबह से गायब है। कनस्तर खाली है, खाने को कुछ नहीं है, तिस पर यह भिखारी!' उसके मुंह में कसैलापन भर आया।

सामयिक

भारत की पारंपरिक चिकित्सा की रोशनी में विश्व-स्वास्थ्य

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आज की दुनिया गहन और बहुआयामी स्वास्थ्य संकटों से गुजर रही है। एक ओर जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता और असंतुलन तेजी से बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर संक्रामक रोग, महामारी और पर्यावरणीय विषमताएँ मानव जीवन को निरंतर चुनौती दे रही हैं। इन परिस्थितियों के बीच यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा के सहारे वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं का संपूर्ण समाधान संभव नहीं है। यही कारण है कि विश्व समुदाय का ध्यान पुनः भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की ओर आकर्षित हो रहा है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी पद्धतियाँ शामिल हैं। जिन्हें 'आयुष' के नाम से जाना जाता है; ये प्रणालियाँ समग्र स्वास्थ्य, प्राकृतिक उपचार और शरीर-मन संतुलन पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिनमें आयुर्वेद सबसे प्राचीन और सुव्यवस्थित प्रणालियों में से एक है, जो अपने दार्शनिक आधार और विविध उपचार विधियों के लिए प्रसिद्ध है। इन चिकित्सा प्रणालियों का आधार केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य की अवधारणा है। आयुर्वेद शरीर के तीन दोषों (वात, पित्त, कफ) के संतुलन पर केंद्रित; आहार, जीवनशैली, जड़ी-बूटी और पंचकर्म (शुद्धिकरण) जैसी तकनीकों का उपयोग करती है। अष्टांग आयुर्वेद अर्थात कायचिकित्सा (आंतरिक चिकित्सा), शल्य (सर्जरी), कौमारभृत्य (बाल चिकित्सा), भूतविद्या (मनोविज्ञान), अगद तंत्र (विष विज्ञान), रसायन (जराचिकित्सा), वाजीकरण (प्रजनन) और शालक्य (नेत्र/कान/नाक) में विभाजित है। आयुर्वेद की ही भांति योग भी एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है जो शारीरिक आसन (आसन), प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम), ध्यान (मेडिटेशन) और नैतिक सिद्धांतों के माध्यम से मन-शरीर के समन्वय पर केंद्रित है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी, पानी, धूप और आहार जैसी प्राकृतिक तरीकों से शरीर की स्व-उपचार क्षमता को बढ़ावा देती है। यूनानी चिकित्सा प्रणाली भी भारत में प्रचलित है, यूनान से आई यह प्रणाली शरीर के चार हमर (रक्त, बलगम, पीला पित्त, काला पित्त) के संतुलन पर जोर देती है और पर्यावरण के प्रभाव को मानती है। सिद्ध चिकित्सा प्रणाली मुख्यतः दक्षिण भारत में प्रचलित है, जिसमें जड़ी-बूटियों और धातुओं से बनी दवाओं का उपयोग और योग व ध्यान पर जोर दिया जाता है। सोवा-रिग्पा पहाड़ों की चिकित्सा प्रणाली है, हिमालयी क्षेत्रों (जैसे लद्दाख, सिक्किम) में प्रचलित है, जिसे 'तिब्बती चिकित्सा' के रूप में भी जाना जाता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से इन प्रणालियों के विकास, अनुसंधान और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण को बढ़ावा देता है। ये प्रणालियाँ प्राचीन भारतीय ज्ञान पर आधारित हैं और अब वैश्विक स्वास्थ्य मंच पर भी अपनी पहचान बना रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इन पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे केवल सांस्कृतिक धरोहर के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की एक प्रभावी, सुलभ और टिकाऊ स्वास्थ्य व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके नेतृत्व में आयुष मंत्रालय की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ पारंपरिक चिकित्सा को लेकर साझेदारी और वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन इस दिशा में ठोस कदम हैं। हाल ही में नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि भारत अब इस क्षेत्र में केवल सहभागी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री की ओमान यात्रा के दौरान आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात में हुई वृद्धि इस परिवर्तनशील परिदृश्य को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। 61.1 मिलियन डॉलर से बढ़कर 65.1 मिलियन डॉलर तक पहुँचना केवल आर्थिक आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक विश्वास का संकेत है। दुनिया के अनेक देश यह समझने लगे हैं कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ न केवल सस्ती और सुलभ हैं, बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करती हैं। यह तथ्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब विश्व की लगभग एक चौथाई आबादी आर्थिक कारणों से बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। ऐसे में पारंपरिक चिकित्सा एक व्यवहारिक विकल्प के रूप में उभरती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज भी दुनिया के लगभग 170 देशों में 40 से 90 प्रतिशत आबादी किसी-न-किसी रूप में पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करती है। यह आँकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि पारंपरिक चिकित्सा केवल विकासशील देशों तक सीमित है। वास्तव में विकसित देशों में भी योग, आयुर्वेदिक उपचार, हर्बल औषधियाँ और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण आधुनिक चिकित्सा से जुड़े दुष्प्रभाव, अत्यधिक दवाओं पर निर्भरता और महँगी उपचार प्रक्रियाएँ हैं। एलोपैथिक चिकित्सा ने जहाँ त्वरित राहत और शल्य चिकित्सा में अद्भुत प्रगति की है, वहीं इसके साथ दवाओं के साइड इफेक्ट, एंटीबायोटिक प्रतिरोध और दीर्घकालिक जटिलताएँ भी जुड़ी हैं। इसके विपरीत भारतीय पारंपरिक चिकित्सा रोग की जड़ तक पहुँचने का प्रयास करती है। आयुर्वेद शरीर की प्रकृति, दोषों के संतुलन और जीवनशैली के सुधार पर बल देता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्मिक संतुलन का मार्ग है। इन पद्धतियों का उद्देश्य रोग को दबाना नहीं, बल्कि शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को जाग्रत करना है। यही कारण है कि इन्हें अपेक्षाकृत सुरक्षित, कम दुष्प्रभाव वाली और दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है।

पारंपरिक चिकित्सा के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन में भारत ने इस दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने रखा। ब्राज़ील, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, मेक्सिको, नेपाल, श्रीलंका सहित 16 देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पारंपरिक चिकित्सा अब कूटनीति और वैश्विक सहयोग का भी एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया गया 'आयुष मार्क' एक ऐतिहासिक पहल है, जो आयुष उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता का वैश्विक मानक स्थापित करेगा। इससे न केवल उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी मजबूत होगी। हालाँकि यह भी सत्य है कि पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण, वैज्ञानिक शोध और प्रमाणिकता के प्रश्न लंबे समय से उठते रहे हैं। कई बार अप्रमाणित दावे और मिलावटी उत्पाद इस पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा देते हैं। किंतु 'आयुष मार्क' जैसी पहलों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु बनाया जाए, ताकि दोनों की श्रेष्ठताओं का समन्वय हो सके।

आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियों और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण दूरदर्शी कहा जा सकता है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा को अतीत की विरासत के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखा है। वैश्विक मंचों पर भारत की इस चिकित्सा परंपरा को स्थापित करने के उनके प्रयास यह संकेत देते हैं कि आने वाले वर्षों में विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था में भारत की भूमिका और भी सशक्त होगी। जब आधुनिक चिकित्सा की सीमाएँ स्पष्ट हो रही हैं और विश्व एक समग्र, सुलभ और मानवीय स्वास्थ्य मॉडल की तलाश में है, तब भारतीय पारंपरिक चिकित्सा न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि और भविष्य की सबसे बड़ी संभावना है।

नजरिया

जी राम जी : ग्रामीण भारत में विश्वास और उम्मीद

यह योजना न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय निर्माण और उत्पादन गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है। महिलाओं की भागीदारी, युवा शक्ति का नियोजन और स्थानीय संसाधनों का उपयोग, योजना को स्थायी और प्रभावी बनाता है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि ग्रामीण आर्थिक सुरक्षा महसूस करें और पलायन कम हो। महिलाओं का भाग्य सुधारना केवल सामाजिक न्याय का सवाल नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामुदायिक स्थिरता का भी संकेत है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

भारत की राजनीति में विश्वास केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जन-धारणाओं और नीतिगत परिणामों का प्रतिफल है। 'विकसित भारतजी राम जी' बिल और उससे जुड़ी योजनाएँ इस विश्वास की कसौटी पर खड़ी हैं। जब केंद्र सरकार ने यह बिल संसद में प्रस्तुत किया, तो उसके पीछे सतत विकास, सामाजिक न्याय और ग्रामीण कल्याण के विचार थे। यह बिल केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि 125 करोड़ लोगों तक पहुँचने वाली योजनाओं का प्रतीक है। वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट हैविकास को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा जाए। इसके लिए योजना का कायमी प्रभाव और पारदर्शी क्रियान्वयन आवश्यक है। इसके तहत ग्रामीण रोजगार, खाद्यान्न वितरण, महिला सशक्तिकरण और न्यूनतम आय सुरक्षा जैसी नीतियाँ लागू की गई हैं। इन नीतियों के परिणामस्वरूप ग्रामीण और वंचित वर्ग में भरोसा और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।ग्रामीण अर्थव्यवस्था हमेशा असुरक्षित रही है। कृषि पर आधारित जीवन शैली, सीमित औद्योगिक विकास और मौसमी रोजगार की अस्थिरता ने ग्रामीणों को अस्थायी रोजगार और पलायन की ओर मजबूर किया। इस संदर्भ में, केंद्र सरकार की ग्रामीण रोजगार योजना एक जागरूक प्रयास है।

यह योजना न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय निर्माण और उत्पादन गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है। महिलाओं की भागीदारी, युवा शक्ति का नियोजन और स्थानीय संसाधनों का उपयोग, योजना को स्थायी और प्रभावी बनाता है। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि ग्रामीण आर्थिक सुरक्षा महसूस करें और पलायन कम हो। महिलाओं का भाग्य सुधारना केवल सामाजिक न्याय का सवाल नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामुदायिक स्थिरता का भी संकेत है। 'जी राम जी' योजना के तहत महिलाओं को रोज़गार और प्रशिक्षण के अवसर दिए गए हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव देखा जा सकता हैमहिलाओं ने अपने परिवार की आय में योगदान बढ़ाया, स्थानीय उत्पादकता में हिस्सेदारी ली, और अपने समाज में निर्णय लेने की क्षमता विकसित की।

महिला सशक्तिकरण का यह आयाम योजना की दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जब महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है, तो परिवार के स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के मानक भी सुधरते हैं। इस तरह, योजना केवल आर्थिक सुधार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नींव भी तैयार करती है। भारत में खाद्य सुरक्षा हमेशा सामाजिक राजनीति का केंद्र रही है। गरीब और वंचित वर्ग को आवश्यक खाद्यान्न और न्यूनतम आय सुरक्षा प्रदान करना केवल दान या राहत नहीं, बल्कि न्याय ओर संवैधानिक जिम्मेदारी है। जी राम जी बिल ने इस दिशा में कदम बढ़ाए। 125 करोड़ लाभार्थियों तक पहुँचने वाली योजना का प्रत्यक्ष परिणाम यह है कि भोजन और आय का भरोसा पैदा हुआ है। गरीब वर्ग अब केवल दिन-प्रतिदिन के संघर्ष में नहीं फँसा है, बल्कि भविष्य की योजनाओं में भागीदारी और उम्मीद महसूस करता है। यह भरोसा सरकार और जनता के बीच संबंध की मजबूती का परिचायक है।

सभी नीतियों में आलोचना होना स्वाभाविक है। विपक्ष ने सवाल उठाया है किक्या यह योजना दीर्घकालिक आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए पर्याप्त है? क्या यह केवल अस्थायी राहत है? क्या इसके क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित है? इन सवालों का महत्व है। विकास केवल तुरंत परिणामों से मापा नहीं जा सकता। इसे स्थायित्व, निगरानी और समयबद्ध सुधार के साथ देखा जाना चाहिए। आलोचना यह भी याद दिलाती है कि राजनीतिक विश्वास स्थायी तभी बनता है जब योजना के परिणाम लगातार दिखाई दें और जनता के अनुभव से मेल खाते हों।

राजनीतिक विश्वास केवल चुनावी रैलियों या भाषणों से नहीं बनता। यह तब मजबूत होता है जब जनता नतीजे देखे, अनुभव करे और महसूस करे। 'जी राम जी' योजना इस दृष्टि से अनूठी हैयह दिखाती है कि यदि सरकार व्यवस्था, नीति और क्रियान्वयन को संतुलित रखे, तो जनता का भरोसा बढ़ सकता है। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि सरकार सतत निगरानी और सुधार करती रहे। योजना की प्रभावशीलता तभी बनी रहती है जब स्थानीय प्रशासन, पंचायत और लाभार्थियों के बीच संवाद और जवाबदेही हो। यह लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी ताकत है। भरोसे और नीतियों की कसौटी पर 'जी राम जी' बिल ने एक नई मिसाल कायम की है। भविष्य में इसके और भी सफल होने के लिए कुछ कदम आवश्यक हैं।

स्थायित्व और विस्तार: योजना को केवल वर्तमान लाभार्थियों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि नई तकनीक और कौशल विकास के साथ इसे बढ़ाया जाए।

पारदर्शिता: सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों तक जानकारी, निगरानी और रिपोर्टिंग पारदर्शी हो।

स्थानीय उद्योग और उत्पादन: रोजगार केवल सरकारी कार्यों तक सीमित न हो, बल्कि स्थानीय उद्योग और स्वरोज़गार को प्रोत्साहित किया जाए।

महिला और युवा सशक्तिकरण: महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए ताकि समुदाय आधारित विकास सुनिश्चित हो।

अर्थव्यवस्था और विकास का संतुलन: योजनाओं से केवल रोजगार या राहत न हो, बल्कि स्थायी आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले। 'जी राम जी' बिल और उससे जुड़ी योजनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि भरोसा और परिणाम राजनीति में दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। केवल घोषणाओं या भाषणों से जनता का विश्वास नहीं बनता। इसे क्रियान्वयन, पारदर्शिता और परिणाम के साथ जोड़ना आवश्यक है।

इस पहल ने दिखाया कि यदि सरकार योजनाओं को समयबद्ध, प्रभावी और सतत तरीके से लागू करे, तो विश्वास केवल टिकता ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र और समाज की मजबूती का प्रतीक बन जाता है। संक्षेप में, भरोसा केवल राजनीति का जरिया नहीं, बल्कि विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक स्थायी स्तंभ बन सकता है। 'जी राम जी' बिल इस कसौटी पर खड़ा होता दिख रहा है, और यदि इसे सुधार और सतत निगरानी के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारत के ग्रामीण विकास और लोकतांत्रिक विश्वास का आदर्श मॉडल बन सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रोड शो

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, भाजपा के नेशनल वर्किंग प्रेसिडेंट नितिन नबीन और स्टेट पार्टी प्रेसिडेंट संजय सरावगी के साथ पटना में एक रोड शो के दौरान।

राहु केतु का नया गाना उज्जैन में मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में हुआ लान्च

उज्जैन/एजेन्सी

राहु केतु के मेकर्स ने अपना नया गाना 'किस्मत की चाबी' रिलीज़ कर दिया है और ये अब सभी प्लेटफॉर्म्स पर धूम मचा रहा है। पॉप स्टार राजा कुमारी और अभिनव शेखर की आवाज़ में, और संगीत व बोल भी अभिनव शेखर के है, ये ट्रैक जबरदस्त एनर्जी, जोश और दमदार सोशल मैसेज का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है, जहां संगीत सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि सोच बदलने का जरिया बनता है। ये गाना मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में लॉन्च किया गया, और सीधे जुड़ता है राज्य के नशा मुक्ति अभियान से, जो समाज, परिवार और युवाओं पर नशे के असर से लड़ने का मिशन है। 'किस्मत की चाबी' इस सोच को ताकत देता है कि जागरूकता, सही समय पर कदम और मिलकर जिम्मेदारी निभाने से सच में बदलाव आ सकता है। पुल्कित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे पर फिल्माया गया ये गाना राहु केतु की कहानी से एकदम घुलमिल जाता है, और एडिक्शन जैसे गंभीर मुद्दे को भावुक, समझने लायक और रिलेट करने जैसा बनाता है। ये गाना याद दिलाता है कि बदलाव की शुरुआत सोच से होती है और सही सपोर्ट, समझ और हौसला सब कुछ बदल सकता है। विपुल गर्ग द्वारा निर्देशित और ज़ी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत 'राहु केतु' ज़ी स्टूडियोज और बीलाइव प्रोडक्शंस की फिल्म है, जो किस्मतों की टक्कर, ग्रहों की गड़बड़ी और मस्तीभरे हाहाकार के बीच जबरदस्त एंटरटेनमेंट का वादा करती है।

वेतन, नीति और दबाव - भारतीय चिकित्सक क्यों छोड़ रहे ब्रिटेन

नई दिल्ली/भाषा। साझा इतिहास, भोजन और वास्तुकला के अलावा भारत और ब्रिटेन को जोड़ने वाली एक मजबूत कड़ी स्वास्थ्य पेशेवर भी हैं लेकिन जो देश अपने वतन से दूर घर बसाने के लिए कभी सोच-समझकर चुना गया ठिकाना माना जाता था, वह अब भारतीयों के लिए, खासकर ब्रिटेन में हालिया नीतिगत बदलावों के असर से जूझ रहे चिकित्सा पेशेवरों के लिए पहले जैसा नहीं रहा। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) में काम कर रहे भारतीय मूल के वरिष्ठ चिकित्सकों ने 'पीटीआई' से कहा कि कई भारतीय स्वास्थ्य पेशेवर ब्रिटेन छोड़ने का विकल्प चुन रहे हैं और वे ऐसा चिकित्सकीय काम से असंतोष के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वित्तीय और आव्रजन संबंधी दबावों ने ब्रिटेन को दीर्घकालिक रूप से कम व्यवहार्य विकल्प बना दिया है।

इस रिपोर्ट के लिए साक्षात्कार देने वाले चिकित्सकों ने अपनी व्यक्तिगत हैसियत से बात की और वे राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा या अपने नियोक्ता के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रस्तुत भारत सरकार के आंकड़ों से पता चला कि भारतीय नागरिकों को जारी किए गए स्वास्थ्य और देखभाल कर्मी वीजा में लगभग 67 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि नर्सिंग पेशेवरों के बीच यह गिरावट लगभग 79 प्रतिशत रही।

करीब 20 साल अनुभव वाले एनएचएस के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ रजय नारायण ने 'पीटीआई' को बताया कि कई भारतीय स्वास्थ्य पेशेवर ब्रिटेन छोड़ने का विकल्प इसलिए चुन रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य देश कहीं अधिक वेतन और स्पष्ट दीर्घकालिक अवसर प्रदान कर रहे हैं।

एनएचएस के साथ दो दशकों से काम कर रहे पेशेवर के रूप में डॉ. नारायण ने कहा कि कभी ब्रिटेन को वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्वास्थ्य प्रणालियों में से एक माना जाता था लेकिन समय के साथ इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब कई लोग ब्रिटेन में दीर्घकालिक करियर की संभावनाएं नहीं देखते और कई ब्रिटिश-भारतीय पेशेवर बेहतर अवसरों की तलाश में भारत भी लौट रहे हैं।

दक्षिण-पश्चिम ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा से जुड़े रेडियोलॉजिस्ट संजय गांधी ने कहा कि भारतीय मूल के स्वास्थ्य पेशेवरों के ब्रिटेन छोड़ने के पीछे मुख्य कारणों में से एक यह है कि राजनीतिक संबद्धता से इतर सभी सरकारों ने शुद्ध आव्रजन कम करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा, हालांकि अवैध आव्रजन को नियंत्रित करना कठिन साबित हुआ है, लेकिन राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में काम करने वालों सहित वैध प्रवासियों को अक्सर इन नीतियों का असर झेलना पड़ता है।

अगली फरमाइश है झुमरी तलैया से- कभी रेडियो की दुनिया की पहचान थे ये शब्द

झुमरी तलैया (झारखंड)/भाषा। अगली फरमाइश है झुमरी तलैया से इन शब्दों में कभी एक जादुई आकर्षण था, जो प्रकृति की गोद में और एक शांत झील के किनारे बसे इस अनोखे शहर में लोगों के दिलों की धड़कन बढ़ा देता था।

झुमरी तलैया में आज भी वह पुरानी यादें ताज़ा हैं। यह शहर 1890 में अंग्रेजों द्वारा खोजी गई एक समृद्ध अभ्रक बेल्ट का हिस्सा था, और 1950 के दशक की शुरुआत में राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हो गया, जब रेडियो सीलोन और ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) के विविध भारती पर इस शहर से गानों की फरमाइशें आने लगीं। श्रीलंका का रेडियो सीलोन इस हफ्ते 100 साल का हो गया। रेडियो सीलोन वह प्रसारणकर्ता है जिसने मशहूर साप्ताहिक हिंदी फिल्मी गानों के काउंटडाउन बिनाका गीतमाला को लोकप्रिय बनाया। रेडियो सीलोन के 100 का होने के साथ ही झुमरी तलैया में वह पुरानी यादें ताज़ा हो गईं, जहां आज भी कई लोग इसे प्यार से 'रेडियो सीलोन' के नाम से याद करते हैं।

यह वह शहर था जहां अनगिनत श्रोता अपने पसंदीदा गाने सुनने के लिए समय से पहले रेडियो पर ट्यून कर लेते थे, और अक्सर उस पल मेजें थपथपाते थे जब अमीन सयानी जैसे उद्घोषक घोषणा करते थे: अगली फरमाइश है झुमरी तलैया से। वित्त मंत्रालय में 1991 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी राजीव रंजन के अनुसार, झुमरी तलैया का संगीत के प्रति जुनून इसके आर्थिक इतिहास और 1890 में इस क्षेत्र में अभ्रक के विशाल भंडार की खोज से गहराई से जुड़ा हुआ है।

झुमरी तलैया में रंजन का परिवार पांच दशक तक रहा। वह दिवंगत डॉ सरला सिंह के बेटे हैं जो इस क्षेत्र की मशहूर हस्ती थीं।

रंजन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, झुमरी तलैया के अभ्रक कारोबारी – चट्टू राम भदानी और होरिल राम भदानी – इस क्षेत्र में लगभग 1,000 खदानों को नियंत्रित करते थे। इन व्यापारियों ने इस शांत गांव को संगीत के प्रति प्रेम रखने वाले एक खनन क्षेत्र में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, मशहूर भदानी परिवार ने तो मुंबई से सुरैया (एक जानी-मानी बॉलीवुड पार्श्व गायिका) को भी वहां एक कॉन्सर्ट में प्रस्तुति देने के लिए बुलाया था। मेरे परिवार, जिसमें मेरे पिता दिवंगत बैकुंठ प्रसाद सिंह भी शामिल थे, ने 1971 में उस्ताद बिस्मिल्लाह खान को वहां लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। रंजन ने कहा, हमें आज भी उस्ताद बिस्मिल्लाह खान द्वारा गाया 'दिल का खिलौना हाय टूट गया' गाना याद है।

मानसिक शांति के लिए कश्मीरा शाह ने दी ज्यादा पानी पीने की सलाह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने एक मजेदार वीडियो के जरिए पानी पीने को लेकर अनोखी सलाह दी। उनका अंदाज भले ही हास्य से भरा था, लेकिन उनकी सलाह को आयुर्वेद और विज्ञान भी मानते हैं। वीडियो में मेकअप आर्टिस्ट से बात करते हुए कश्मीरा शाह मजाकिया लहजे में कहती है कि रोज ज्यादा पानी पीने से न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि दिमाग की भी शांत रहता है। उनके मुताबिक, अगर कोई इंसान ज्यादा पानी पिएगा तो उसे बार-बार वॉशरूम जाना पड़ेगा और इस तरह वह फालतू बातचीत से बच जाएगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। हंसी-मजाक में कही गई ज्यादा पानी पीने की बातों को आयुर्वेद और विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो पानी शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आयुर्वेद के अनुसार, पानी को जीवन का आधार माना गया है। पानी शरीर के तीनों दोषों वात, पित्त और कफ को संतुलित रखने में मदद करता है। सही मात्रा में पानी पीने से पाचन ठीक रहता है, शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं और त्वचा में निखार आता है। पानी हमेशा जरूरत के अनुसार और सही समय पर पीना चाहिए, जैसे सुबह उठकर गुनगुना पानी पीने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है।

विज्ञान भी पानी के महत्व को पूरी तरह मानता है। वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, हमारा शरीर लगभग 60 प्रतिशत पानी से बना होता है। पानी ब्लड सर्कुलेशन, शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और दिमाग तक ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है। पर्याप्त पानी पीने से थकान कम होती है, ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है और मूड भी बेहतर रहता है। यही वजह है कि हल्की डिहाइड्रेशन भी सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और थकावट पैदा कर सकती है। यह समझना भी बेहद जरूरी है कि पानी हमेशा संतुलित मात्रा में ही पीना चाहिए। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही मानते हैं कि जरूरत से ज्यादा पानी पीना भी नुकसानदायक हो सकता है। बहुत अधिक पानी पीने से शरीर में नमक का संतुलन बिगड़ सकता है, जिसे मेडिकल भाषा में वॉटर इंटॉक्सिकेशन कहा जाता है। इसलिए विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि इंसान को अपनी प्यास, मौसम, शारीरिक गतिविधि और उम्र के अनुसार पानी पीना चाहिए, न कि किसी तय संख्या के दबाव में।

मानसिक सेहत की बात करें, तो पानी का सीधा संबंध दिमाग से भी है। जब शरीर हाइड्रेटेड रहता है, तो दिमाग बेहतर तरीके से काम करता है। इससे तनाव कम महसूस होता है और मन ज्यादा शांत रहता है। यही वजह है कि कई डॉक्टर और योग विशेषज्ञ दिनभर थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहने की सलाह देते हैं, ताकि शरीर और मन दोनों संतुलन में रहें।

प्रतीक बब्बर के साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार रहा : प्रिया बनर्जी

मुंबई/एजेन्सी

पॉपुलर वेब सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' के चौथे और अंतिम सीजन में एक्ट्रेस प्रिया बनर्जी ने अपने पति प्रतीक बब्बर के साथ स्पेशल कैमियो किया है। यह शादी के बाद कपल का पहला ऑन-स्क्रीन कोलैबोरेशन है। प्रिया ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए इस अनुभव को मजेदार बताया। प्रिया ने कहा, प्रतीक के साथ जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने के बाद स्क्रीन शेयर करना काफी खास लगा। शादी की तस्वीरें वायरल होने के बाद मेकर्स ने इस छोटे कैमियो के लिए उनसे संपर्क किया था। प्रिया ने बताया, प्रतीक चाहता था कि मैं यह प्रोजेक्ट करूं, क्योंकि यह उनके सबसे पसंदीदा शो में से एक है। यह फैसला भी मैंने अचानक से लिया।

अगले साल दस्तक देगी फिल्म 'दृश्यम -3'

मुंबई । सस्पेंस और थ्रिलर से भरी अजय देवगन की मचअवेटेड फिल्म 'दृश्यम 3' के रिलीज डेट से मेकर्स ने पर्दा उठा दिया है। फिल्म अगले साल अक्टूबर के महीने में रिलीज होने वाली है। फिल्म की रिलीज डेट के साथ-साथ मेकर्स ने फिल्म से जुड़ा वीडियो भी शेयर किया है जिससे दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ गई है। अजय देवगन ने फिल्म की पहली झलक और रिलीज की तारीख के बारे में जानकारी दी है। 2015 में पहली बार सिनेमाघरों में 'दृश्यम' रिलीज हुई थी और फिल्म को इतना पसंद किया गया है कि आज फिल्म के तीसरे पार्ट की झलक रिलीज की गई है। 'दृश्यम' -3 की जानकारी देते हुए अजय देवगन ने फिल्म से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है जिसके सीन और डायलॉग दोनों की सस्पेंस को बढ़ा रहे हैं।

वीडियो में विजय सलगांवकर बने अजय देवगन कहते हैं, दुनिया मुझे कई नामों से बुलाती है, लेकिन मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि पिछले सात सालों में जो कुछ हुआ, जो कुछ दिखाया, जो कुछ किया, उससे मुझे एक बात समझ आई कि दुनिया में हर किसी का सच अलग है, हर किसी का सच अलग है, मेरा सच और मेरा सही सिर्फ मेरी फैमिली है। जब तक सब थक नहीं जाते, जब तक हार नहीं जाते, मैं यहीं खड़ा हूं चौकीदार बनकर, पहरेदार बनकर और एक दीवार बनकर, क्योंकि कहानी का आखिरी हिस्सा बाकी है।

फिल्म अगले साल 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वीडियो में तब्बू की झलक भी दिखाई गई है, जो एक बार फिर दमदार पुलिस अधिकारी के रोल में दिखने वाली है।

बता दें कि इसी साल सितंबर के महीने में साउथ अभिनेता मोहनलाल ने मलयालम भाषा में 'दृश्यम' -3 की शूटिंग शुरू कर दी थी। उस वक्त फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि इस बार फिल्म के हिंदी राइट्स नहीं दिए जाएंगे, लेकिन बाद में फिल्म की सक्सेस को देखकर मेकर्स ने फिल्म को हिंदी वर्जन के साथ बनाने का फैसला किया।

बता दें कि अजय देवगन की 'दृश्यम' हिट साबित हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का बजट 35-38 करोड़ रुपये था, लेकिन फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी, जबकि फिल्म के दूसरे पार्ट ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ का कलेक्शन किया था।

केरल के जनरल एजुकेशन मिनिस्टर वी. शिवनकुट्टी, तिरुवनंतपुरम के एक स्कूल में क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान सांता क्लॉज़ के कपड़े पहने एक स्टूडेंट के साथ।

असली आर्मी लोकेशन पर शूटिंग करना नहीं था आसान, अहान शेट्टी ने बताया 'बॉर्डर 2' में काम करने का अनुभव

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के लिए फैंस के लिए नए साल की शुरुआत देशभक्ति से भरी फिल्म बॉर्डर 2 से होने वाली है, जिसमें सनी देओल, दिलजीत सिंह दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी सैनिक के किरदार में दिखने वाले हैं। ये फिल्म अहान शेट्टी के लिए बेहद खास है क्योंकि पहली फिल्म 'तड़प' के सुपरफ्लॉप होने के बाद अब 'बॉर्डर 2' उनके करियर के लिए अहम है।

फिल्म में अभिनेता ने नेवी अफसर का रोल प्ले किया है और अब उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने किरदार और फिल्म की शूटिंग के किस्सों को शेयर किया है। कड़ी मिलिट्री ट्रेनिंग और मुश्किल एक्शन सीक्वेंस के लिए अहान ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग वहां हुई, जहां असली सैनिक ट्रेनिंग लेते हैं। अहान ने कहा कि फिल्म की शूटिंग एनडीए खड़कवासला में हुई और इसका मकसद सिर्फ असली विज़ुअल्स कैप्चर करना नहीं था बल्कि उस माहौल को सीखना था, जिसने मेरे किरदार को पूरी तरह बदल दिया। आप वहां ट्रेनिंग ले रहे होते हैं जहां असली ऑफिसर ट्रेनिंग लेते हैं। वह माहौल आपको कुछ भी गलत करने नहीं देता, बल्कि आपकी बॉडी, आपका पोस्चर और बात करने का तरीका वहां के हिसाब से ढल जाता है।

शूटिंग का अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि शूटिंग की लोकेशन बदलने लगी लेकिन मेरा रूटीन पहले जैसा रहा। वहीं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सेशन, एजिलिटी, कार्डियो, आइस बाथ, स्टीम, सौना और रेड लाइट थेरेपी रोजाना का रूटीन बन गया। आराम के लिए समय नहीं था क्योंकि ट्रेनिंग नहीं छोड़ सकते थे और रोजाना युद्ध वाले सीन शूट करने होते थे, तो आराम का समय नहीं होता है। लगता था कि अब बस अच्छा परफॉर्म करना है।असली मिलिट्री जगहों पर शूटिंग करने में अहान को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि 40 डिग्री के तापमान में युद्ध के सीन को शूट किया और 12 घंटों की शूटिंग के दौरान टेक्निकल गियर पहनकर काम करना होता था।

बता दें कि 'बॉर्डर 2' में अहान शेट्टी एक नेवी ऑफिसर का रोल प्ले करने वाले हैं। ये फिल्म और किरदार दोनों ही उनके लिए खास हैं क्योंकि उनके पिता सुनील शेट्टी ने भी फिल्म 'बॉर्डर' में सीमा पर तैनात सैनिक भैरव सिंह का रोल प्ले किया था। फिल्म में उनके जोश और किरदार को खूब पसंद किया गया था, लेकिन अब देखना होगा कि दर्शक उनके बेटे अहान को कितना प्यार देते हैं।

रहमान डकैत के हुकस्टेप को शिल्पा शेट्टी ने किया कॉपी, 'धुरंधर' को कहा 'देशभक्ति की कहानी'

मुंबई/एजेन्सी

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' अपने नाम की तरह ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ से ज्यादा का आंकड़ा पार कर चुकी है, जबकि फिल्म का बजट लगभग 280 करोड़ रुपए बताया गया है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने भी फिल्म की तारीफ की और इसके हुक-स्टेप को भी करके दिखाया। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर अक्षय खन्ना की तरह डांस करते हुए वीडियो पोस्ट की है, जिसमें वो बिल्कुल 'रहमान डकैत' के हुक-स्टेप को कॉपी कर रही हैं। उन्होंने कैप्शन में फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, फैन तो मिला नहीं, लेकिन मैं फैन हो गई हूं, तो यह ट्रेंड करना बनता था। रणवीर सिंह, आपका टाइम आ गया है। अंडरप्लेड लेकिन फिर भी कैरेक्टर में एकदम फिट। अक्षय खन्ना का ओजी ओरा मैक्स। आर. माधवन, आपसे बेहतर इस रोल को कोई नहीं कर सकता था। संजय दत्त, आप हमेशा की तरह रॉकस्टार लगे।

उन्होंने आगे लिखा, कास्टिंग टीम ने फिल्म की शानदार कास्टिंग की और इसका क्रेडिट मुकेश छाबड़ा को जाता है, जिन्होंने ये सब एक साथ किया। बैकग्राउंड स्कोर और म्यूजिक शानदार है, और ये गाने मेरी प्लेलिस्ट में शामिल हो गए हैं। फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर को लेकर फिल्मों में से एक आपने बनाई है। 'धुरंधर' की पूरी टीम को सलाम। दूसरी तरफ बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनास भी 'धुरंधर' के गाने पर झूमते दिखाई दिए थे। वहीं, दूसरे स्टार्स भी फिल्म की तारीफ करने से पीछे नहीं हटे। आम से लेकर खास तक सभी फिल्म को देखकर ओवरऑल एक्सपीरियंस शानदार बता रहे हैं। अगर 'धुरंधर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को देखें तो इसमें हर दिन इजाफा होता दिख रहा है। फिल्म रिलीज होने के 17 दिनों के बाद भारत में नेट कलेक्शन 555 करोड़ रुपए के पार हो गया। जबकि, फिल्म का वर्ल्डवाइड नेट कलेक्शन 850 करोड़ रुपए के आंकड़े तक पहुंचने वाला है।

शिल्पा ने कहा, आप सच में एक विजनरी हैं। लंबे समय बाद देखी गई देशभक्ति वाली

संतों का प्रवास जागृति लाने वाला होता है : मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संत डॉ मुनि पुलकित कुमार जी उपनगर में विहार करते हुए डिविनिटी अपार्टमेंट से केंगेरी में सुरेश महेंद्र पुखराज दक के निवास स्थान पहुंचे। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा, संतों का प्रवास जागृति लाने वाला होता है। बेंगलूरु का श्रावक समाज संतों के प्रति विशेष भक्ति रखने वाला है रास्ते की सेवा में उपस्थित होकर श्रावक समाज सेवा और निर्जरा का लाभ लेने का प्रयास करें। तेरापंथ सभा गांधीनगर के उपाध्यक्ष सुरेश दक ने मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए बताया कि मुनिश्री ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में श्रावक समाज को आध्यात्मिक प्रेरणा दी है। मुनि आदित्य कुमारजी ने अपने आगामी प्रवास की जानकारी दी। महेंद्र दक ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। मुनिश्री के रास्ते की सेवा में अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया ।

रोड शो

भाजपा के नेशनल कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के रोड शो के दौरान भगवान हनुमान के कपड़े पहने एक आदमी।

थरूर ने नालंदा विश्वविद्यालय को लेकर जयशंकर की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय की पुन: स्थापना और देश में कई अन्य योगदानों के लिए मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा उनके मंत्रालय की सराहना की।

थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ...मैं नालंदा साहित्य महोत्सव में भाग लेने के दौरान नालंदा विश्वविद्यालय परिसर से बेहद प्रभावित हुआ। इस अद्भुत उपलब्धि के लिए एस जयशंकर को मेरी हार्दिक बधाई। यह उपलब्धि हमारे देश में विदेश मंत्रालय के कई गुमनाम योगदानों में से 'उच्च रेटिंग' की हकदार है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री वहां आयोजित नालंदा साहित्य महोत्सव में भाग लेने पहुंचे थे। थरूर ने पटना में संवाददाताओं से कहा, मैं किसी राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए नहीं, बल्कि इसकी संस्कृति को देखने के लिए बिहार आया हूं। मैं दूसरों को बिहार संग्रहालय और बापू टॉवर देखने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।

थरूर ने पिछले कुछ महीनों में कई मौकों पर नरेन्द्र मोदी सरकार की सराहना की है और ऐसी टिप्पणियां की हैं जो कांग्रेस और उसके नेतृत्व के मत के विपरीत रही हैं।

डिग्री

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत (दाएं से दूसरे), मंगलवार को पटियाला में राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ लॉ में 7वें कॉन्वोकेशन के दौरान एक स्टूडेंट को डिग्री देते हुए।

जयशंकर ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री अमरसूर्या से मुलाकात की, पुनर्निर्माण में मदद की प्रतिबद्धता दोहराई

कोलंबो/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और चक्रवात 'दित्वा' के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को लेकर आश्वस्त किया।

जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में दो दिवसीय श्रीलंका दौरे पर हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज कोलंबो में श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या से मिलकर बहुत अच्छा लगा। मैंने उन्हें चक्रवात 'दित्वा' के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। भारत द्वारा प्रस्तावित पुनर्निर्माण पैकेज हमारे दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों का प्रतीक है।

जयशंकर और श्रीलंकाई विदेश मंत्री विजिता हेरात ने उत्तरी प्रांत के किलिनोच्ची जिले में 120 फुट लंबे दोहरी लेन वाले बेली ब्रिज का संयुक्त रूप से उदघाटन भी किया।

जयशंकर ने पोस्ट किया, राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की उपस्थिति में विदेश मंत्री एच.एम. विजिथा हेरात के साथ संयुक्त रूप से उत्तरी प्रांत के किलिनोच्ची जिले में 120 फुट लंबे दोहरी लेन वाले बेली ब्रिज का उदघाटन किया गया। यह जिला चक्रवात 'दित्वा' से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। 110 टन वजनी इस पुल को भारत से हवाई मार्ग से लाया गया और 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत स्थापित किया गया।

इससे पहले दिन में, जयशंकर ने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की।

जयशंकर ने पोस्ट किया कि उन्होंने उन्हें चक्रवात 'दित्वा' के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से दिसानायक को एकजुटता का संदेश दिया।

पोस्ट में कहा गया है, 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत हमारी सबसे पहले प्रतिक्रिया देने की भूमिका को आगे बढ़ाते हुए, भारत श्रीलंका को 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत पुनर्वास और सड़क, रेलवे और पुल संपर्क की बहाली, पूरी तरह से नष्ट और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों का निर्माण, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों, खासकर उन क्षेत्रों के लिए सहायता शामिल जिन्हें चक्रवात के कारण नुकसान हुआ है।

विदेश मंत्री के पोस्ट में लिखा है कि कृषि क्षेत्र में अल्पावधि और मध्यम अवधि में संभावित कमी से निपटने के उपाय करना तथा बेहतर आपदा प्रतिक्रिया और तैयारियों की दिशा में भी काम करना शामिल है।

अरसीकेरे विधायक बने शांतिसूरी मंदिर प्रतिष्ठा समिति के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। अरसीकेरे के विधायक एवं कर्नाटक राज्य गृह निर्माण बोर्ड के चेयरमैन शिवलिंगे गौड़ा ने मंगलवार को दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ में निर्माणाधीन शांतिसूरी धाम पर योगीराज विजय शांतिसूरी मंदिर का जायजा लेकर आगामी फरवरी को संपन्न होने वाली प्रतिष्ठा की तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने प्रतिष्ठा महोत्सव स्वागत समिति का गठन कर शिवलिंगेगौड़ा को अध्यक्ष बनने का निवेदन किया जिसे विधायक ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर हर संभव सेवा देने की बात कही। ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर ट्रस्टी रमेश कटारिया, अरसीकेरे जैन मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष पारसमल मेहता, स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष महावीर बोहरा, मूर्तिपूजक संघ के पूर्व अध्यक्ष अमरचंद चंडालिया, युवा नेता चेतन भलगट, रंगराज सुराना, अशोक गुगलिया, विकास मेहता एवं नितेश राठोड़ उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य शिविर

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा मंगलवार को मरियप्पनपाल्या स्थित गायत्री पार्क में नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें कुल 46 सदस्य लाभान्वित हुए। तेयुप सदस्यों ने स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए सभी को एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवायें, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी दी।

बिहार स्टार्टअप कॉन्क्लेव में विजय सम्भव फाउंडेशन के संस्थापक सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत दिनों शहर में लेट्स इंस्पायर बिहार स्टार्ट-अप समिट 2025 के अंतर्गत आयोजित 'स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव बिहार 2045', में शिक्षाविदों, उद्यमियों और सामाजिक नेताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक नवाचार के माध्यम से बिहार के विकास की नई दिशा पर गहन विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विधायक मिथिलेश तिवारी, राजीव रंजन सिंह तथा ऑक्सफोर्ड ग्रुप के चेयरमैन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस आयोजन के प्रेरणास्रोत, लेट्स इंस्पायर बिहार के संरक्षक और संयोजक प्रशासनिक अधिकारी विकास वैभव ने समाज को ज्ञान, नवाचार और समानता के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य को आगे बढ़ाया। इस मौके पर विजय सम्भव फाउंडेशन के संस्थापक एवं चेयरमैन रवि राजहंस तथा सह संस्थापक एवं पेटेंट विशेषज्ञ सोनल कीर्ति को शिक्षा, सामाजिक नवाचार और सामुदायिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

प्रोटेस्ट मार्च

ऑल इंडिया एग्रीकल्चरल एंड रूरल लेबर एसोसिएशन के मेंबर्स ने मंगलवार, को कोलकाता में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट, 2025 के खिलाफ प्रोटेस्ट मार्च में हिस्सा लिया।

सॉलिटेयर ज्वेलरी की दुनिया से रूबरू कराने के लिए आयोजित हुई 'शेप दि स्पार्कल' कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो साउथ लेडीज़ विंग द्वारा जे पॉइंट के अंतर्गत आदित्य बिरला समूह की 'इंद्रिया' लग्ज़री ज्वेलरी स्टोर के सहयोग से 'शेप दि स्पार्कल' नामक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य सदस्याओं को सॉलिटेयर ज्वेलरी की बारीकियों, डिज़ाइन और चयन की समझ प्रदान करना था। विंग की संयुक्त सचिव चंद्रा जैन ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि सॉलिटेयर का सही चयन साधारण आभूषण को भी कालातीत और क्लासिक बना देता है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता इंद्रिया की सॉलिटेयर श्रेणी की डिज़ाइन हेड शाविका पाटनी थी जिनका परिचय प्रिया गांधी ने दिया। शाविका पाटनी ने प्रतिभागियों को सॉलिटेयर की दुनिया से परिचित कराते हुए उसके आकार, साइज और कट्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सॉलिटेयर के विभिन्न आकारों जैसे राउंड, ओवल, रेक्टैंगुलर और हार्ट शेप के बारे में बताया। उन्होंने सॉलिटेयर के अनुरूप परफेक्ट आकार के चयन के महत्व को समझाया। सत्र के दौरान एक रोचक 'डू इट योरसेल्फ हैंड्स ऑन' सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी खुद की सॉलिटेयर रिंग डिज़ाइन की। अंतिम चरण में इंद्रिया टीम द्वारा चेहरे की बनावट, स्किन टोन, मेकअप टिप्स और आउटफिट के अनुसार ज्वेलरी चयन पर भी उपयोगी जानकारी साझा की गई। सह संयोजिका विजेता जैन ने धन्यवाद दिया। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी व मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पुण्य से ही होते हैं प्रभु के दर्शन : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विवेकनगर वन्नारपेट में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने पार्श्व पद्मावती महापूजन के अवसर पर कहा कि संसार के लोगों से मिलन बहुत किया, अब प्रभु से मिलन करें। अनंत पुण्य राशि हमारी होती है तभी हमें परमात्मा के दर्शन होते हैं। अपनी जीवन नैया प्रभु को सौंप दीजिए, प्रभु की करुणा से हमारी नैया भवसागर से पार हो जाएगी। अभी तक हमने प्रभु को सच्ची श्रद्धा से पूजा या भक्ति नहीं की है। इसलिए, अभी तक परमात्मा का साक्षात्कार नहीं हुआ है। साध्वीश्री ने कहा कि संसारी पदार्थों पीछे मत भागें, प्रभु शरण में चले जाएं, सब काम हो जाएंगे। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि अरिहंत तभी बनते हैं जब जीव में विश्व मैत्री का भाव प्रगट होता है। हमारे जीवन में से कषाय भी कम हो जाए और राग-द्वेष भी मंद पड़ जाए तो समझें कि हम अरिहंत के उपासक हैं। पुद्गलों के पीछे तो हम बहुत भागे, अब प्रभु से मिलन करना होगा नहीं तो यह भव भ्रमण की यात्रा कब पूर्ण होगी। वसंतराज भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में पार्श्व पद्मावती महापूजन का लाभ रतनबाई गणपतराज धोका परिवार ने लिया।

आरपीसीएल दुधेड़िया कप का आग़ाज़ चार रोमांचक मुकाबलों से हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलुरु। स्थानीय राजस्थान परिषद द्वारा आयोजित आरपीसीएल -6 दुधेड़िया कप का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष संजय बैद ने सभी का स्वागत किया। मंगलीदेवी दुधेड़िया एंड संस द्वारा प्रायोजित आरपीसीएल टूर्नामेंट के पहले दिन कुल चार मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में राजलदेसर एडोर किंग्स ने कर्मा वॉरियर्स चाड़वास को 7 विकेट से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में बीदासर रजवाड़ा वॉरियर्स ने लाडनूँ

वॉरियर्स टीम को 4 विकेट से हराया। तीसरे मुकाबले में सरदारशहर कुबेर ने माईटी सुजानगढ़ को कड़े संघर्ष में 9 रन से पराजित किया। झुंझुनूं का चौथा मुकाबला चूरू सुपर किंग्स एवं गंगाशहर टाइटंस के बीच खेला गया। चूरू सुपर किंग्स ने 30 रन से शानदार जीत दर्ज की। आयोजकों ने बताया कि आरपीसीएल6 का उद्देश्य खेल के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन, एकता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करना है।

व्यवस्था में पन्नालाल लूनिया, आलोक सेठिया, सुनील सुराणा ऋषभ बरड़िया, राजेश छाजेड़ , देवांग बैद, पंकज बैद, तरुण पटावरी, राजेंद्र बैद, सुरेंद्र गिड़िया, देवेंद्र नाहटा, अमित नाहटा, पवन बैद, अनिल छलानी, दिनेश चोपड़ा, दीपक भूरा, राकेश दुधोडिया, श्रेयांश गोलछा, कमलेश चोपड़ा, रतन बरडिया, रंजीत राखेचा, कन्हैयालाल सिंघी, संतोष मालू आदि अनेक कार्यकर्ताओं का श्रम लगा।

ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध होने से रोकने का दावा दोहराया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को सुलझाने के अपने दावे को दोहराते हुए कहा कि इस्लामाबाद के नेतृत्व ने लाखों लोगों की जान बचाने का श्रेय उन्हें दिया है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा, हमने पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध होने से रोक दिया। पाकिस्तान के मुखिया एवं एक अत्यंत सम्मानित जनरल, जो फील्ड मार्शल भी हैं, उन्होंने और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक करोड़ लोगों की जान बचाई, शायद उससे भी ज़्यादा। उन्होंने ये टिप्पणियां फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, नौसेना सचिव जॉन फेलन और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मौजूदगी में कीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, आप जानते हैं, आठ विमान मार गिराए गए थे। वह युद्ध और तेज होने वाला था और उन्होंने हाल ही में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक करोड़ लोगों की जान बचाई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**